दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 331 | ग्वालियर, सोमवार 11 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

दिल्ली में टीकाकरण की पूरी है तैयारी, सत्येंद्र जैन ने बताया 16 जनवरी से 89 अस्पतालों में कैसे लगेगी वैक्सीन

नई दिल्ली। पूरे देश में 16 जनवरी से टीकाकरण का अभियान शुरू होने वाला है. देशभर में इसकी तैयारियां हो चुकी हैं. दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी वैक्सीन को लेकर दिल्ली के पहले चरण के कार्यक्रम की जानकारी साझा की है. उन्होंने बताया कि राजधानी में 89 अस्पतालों को फाइनल किया गया है. दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि राजधानी में उसी हिसाब से वैक्सीनेशन होगा जैसा केंद्र सरकार ने निर्धारित किया है। मीडिया को जानकारी देते हुए सत्येंद्र जैन ने कहा, दिल्ली में, कोविड-19 टीकाकरण अभियान के पहले चरण के लिए 89 साइटों को अंतिम रूप दिया गया है। 16 जनवरी से टीकाकरण अभियान के लिए 36 सरकारी अस्पतालों और 53 निजी अस्पतालों की पहचान की गई है। पहले चरण में, स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण किया जाएगा, उसके बाद फ्रंटलाइन वर्कर्स को शामिल किया जाएगा। शिक्षकों को अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की श्रेणी में भी शामिल किया गया है। वैक्सीन मुफ्त दिए जाने के सवाल पर सत्येंद्र जैन ने कहा, अभी, यह स्वास्थ्य सेवा और फ्रंटलाइन श्रमिकों के लिए मुफ्त होगी। कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से कोविड के मुफ्त टीकाकरण का आग्रह किया था। देश में कोविड-19 टीकाकरण अभियान 16 जनवरी से शुरू होगा। यह निर्णय शनिवार को एक बैठक में लिया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा की और टीकाकरण के खिलाफ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तैयारी का जायजा लिया।

बीएमसी के नोटिस के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे सोनू सूद, कहा- नहीं कराया कोई अवैध निर्माण

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने उपनगर जुहू स्थित रिहायशी इमारत में कथित तौर पर बिना इजाजत अवैध रूप से ढांचागत बदलाव करने पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा जारी नोटिस के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। सूद ने अधिवक्ता डी पी सिंह के जरिये पिछले हफ्ते अदालत में दायर अपनी याचिका में कहा है कि उन्होंने छह मंजिला शक्तिसागर इमारत में कोई अवैध या अनधिकृत निर्माण नहीं कराया है। बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पृथ्वीराज चव्हाण की एक सदस्यीय पीठ सोमवार को उनकी याचिका पर सुनवाई करेगी। सिंह ने कहा, याचिकाकर्ता (सूद) ने इमारत में ऐसा कोई बदलाव नहीं कराया है जिसके लिए बीएमसी की अनुमति जरूरी हो। केवल वे बदलाव ही किए गए हैं जिसकी महाराष्ट्र क्षेत्रीय एवं नगर योजना (एमआरटीपी) अधिनियम के तहत अनुमति है। याचिका में पिछले साल अक्टूबर में बीएमसी द्वारा जारी नोटिस को रद्द करने और इस मामले में अभिनेता के खिलाफ किसी दंडनात्मक कार्रवाई से अंतरिम राहत देने का भी अनुरोध किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल बीएमसी से नोटिस मिलने के बाद सूद ने दीवानी अदालत का रुख किया था लेकिन वहां राहत नहीं मिलने पर उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया है। बीएमसी ने पिछले हफ्ते जुहू पुलिस थाने में शिकायत देकर कथित तौर पर बिना अनुमति आवासीय इमारत को होटल में तब्दील करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। बीएमसी ने पुलिस को शिकायती पत्र तब दिया जब उसने इमारत के निरीक्षण करने पर कथित तौर पर यह पाया कि सूद द्वारा निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है और पिछले साल अक्टूबर में नोटिस दिए जाने के बावजूद वह अवैध निर्माण कार्य जारी रखे हुए हैं। हालांकि, पुलिस ने अबतक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। उल्लेखनीय है कि सूद दबंग, जोधा-अकबर और सिम्बा जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं और पिछले साल वह तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने कोविड-19 के चलते लागू लॉकडाउन के दौरान प्रवासियों को उनके घर तक पहुंचाने में मदद की थी।

छेड़खानी के आरोप में पिटे बीजेपी के पूर्व एमएलए

कान पकड़कर माफी मांगी

वाराणसी। यूपी के वाराणसी में छेड़खानी के आरोप में बीजेपी के एक पूर्व विधायक को लोगों ने पीटा और कान पकड़कर माफी मंगवाई. इससे जुड़ा वीडियो वायरल हो रहा है. ये मामला वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र के भगतुआ गांव का है. जहां एक इंटर कॉलेज के चेयरमैन और पूर्व बीजेपी विधायक माया शंकर पाठक पर एक छात्रा ने अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया.

पीड़ित छात्रा के आरोपों की जानकारी मिलते ही उसके परिजन गुस्से में आ गए. परिजनों ने कॉलेज में पूर्व बीजेपी विधायक माया शंकर पाठक की पिटाई कर दी और इसका वीडियो भी बनाया. वाराणसी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. माया शंकर पाठक वाराणसी में कभी बीजेपी के विधायक हुआ करते थे और अभी एमपी इंस्टीट्यूट एंड कंप्यूटर कॉलेज के नाम से इंटर कॉलेज भगतुआ गांव में चला रहे हैं. बताया जा रहा है कि वीडियो 2 दिनों पहले का है. आरोप है कि पूर्व भाजपा विधायक और स्कूल के चेयरमैन माया शंकर

पाठक ने अपने ऑफिस में बुलाकर एक छात्रा के साथ अश्लील हरकत की थी. इसके बाद छात्रा ने घर पहुंचकर आपबीती अपने परिजनों को बताई, गुस्से में आग बबूला परिजन स्कूल पहुंचे और पहले तो माया शंकर पाठक की पिटाई उनके ऑफिस में ही की और फिर बाहर मैदान में कुर्सी पर बिठाकर भी उन्हें पीटा. पिटाई के दौरान पूर्व बीजेपी विधायक बार-बार अपनी गलती के लिए कान पकड़कर माफी भी मांगते दिख रहे हैं. हालांकि दोनों ही पक्षों में से किसी ने इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की, लेकिन वीडियो बहुत तेजी से वायरल होने और हाई प्रोफाइल मामला होने के चलते पुलिस ने खुद मामला संज्ञान में लेते हुए इसकी जांच शुरू कर दी है. इस बारे में क्षेत्राधिकारी पिंडरा अभिषेक कुमार पांडे ने बताया कि अभी दोनों ही पक्षों में से किसी ने भी शिकायत नही की है, लेकिन वीडियो की जांच करके सत्यता का पता लगाया जा रहा है और हर संभव कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी. माया शंकर पाठक 1991 में वाराणसी के चिरईगांव विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीते थे.

फ्लू की दहशतः कानपुर चिड़ियाघर के सभी पक्षियों को मारने के आदेश लखनऊ जू का बर्ड सेक्शन बंद

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू का खतरा मंडरा रहा है. लखनऊ चिड़ियाघर के पक्षियों में बर्ड फ्लू के वायरस मिलने के बाद चिड़ियाघर का बर्ड सेक्शन बंद कर दिया गया है. बर्ड हाउस में लोगों के जाने पर रोक लगा दी गई है. वहीं कानपुर चिड़ियाघर में बाड़े के सभी पक्षियों को मारने का आदेश प्रशासन ने दिया है. यहां भी कुछ पक्षियों में बर्ड फ्लू के वायरस मिले हैं. फिलहाल कानपुर चिड़ियाघर को सील कर दिया गया है. बता दें कि कानपुर चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू का संक्रमण मिलने पर चिड़ियाघर को सील कर दिया गया है. यहां पर चार पक्षियों की मौत की जांच रिपोर्ट में बर्ड फ्लू के वायरस मिले हैं. कानपुर कमिश्नर राजशेखर के आदेश पर चिड़ियाघर के आसपास के इलाके को रेडजोन घोषित किया गया है. यहां पर प्रशासन और निवासी सभी अलर्ट हो गए हैं.

सभी पक्षियों को मारने के आदेश-इसके अलावा प्रशासन ने बाड़े के पक्षियों को भी मारने के आदेश चिड़ियाघर प्रशासन को दिए हैं. इस चिड़ियाघर में दो दिनों में दस पक्षियों की मौत हुई थी जिनमें से चार पक्षियों के के सैंपल जांच के लिए लेब्रोटरी भेजे गए थे. वहां से आई रिपोर्ट में चारों पक्षियों में बर्डफ्लू के वायरस पाए गए हैं. कानपुर चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद लखनऊ चिडियाघर में भी प्रशासन अलर्ट हो गया है.

करनाल में बवाल के बीच खट्टर को रद्द करना पड़ा दौरा

पुलिस ने किसानों पर किया लाठीचार्ज

करनाल। हरियाणा के करनाल में पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों पर लाठी चार्ज किया है. करनाल जिले के कैमला गांव में बीजेपी ने किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया था. यहां पर हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर किसानों के बातचीत करने वाले थे और उन्हें नए कृषि कानूनों का फायदा समझाने वाले थे. सीएम कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते उससे पहले वहां पर कृषि कानूनों का विरोध कर रहे सैकड़ों किसान पहुंच गए. इस किसानों ने वहां काले झंड़े दिखाए और सीएम खट्टर के खिलाफ नारेबाजी की. इस दौरान यहां तैनात पुलिसकर्मियों और स्थानीय पुलिस ने किसानों को समझा-बुझाकर उन्हें तितर बितर करना चाहा. लेकिन किसान नहीं माने. यहां पर स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने किसानों पर लाठीचार्ज किया और आंसू के गोले दागे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों पर पानी की बौछारें छोड़ी है. मौके पर खूब हंगामा हुआ है और वहां पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है. इस घटना की वे वीडियो में सैकड़ों किसान खेतों में भागते हुए दिख रहे हैं. पुलिस इन किसानों पर लाठियां बरसा रही है. कई किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए हैं. किसानों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें छोड़ी.

घटना के बाद किसान फिलहाल आस-पास के गांवों में चले गए हैं. यहां पर अब बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है.

हेलीपैड पर कब्जा, सीएम के स्टेज पर तोड़फोड़-इस बीच करनाल मुख्यमंत्री सीएम के के लिए बनाए गए स्टेज पर किसानों ने की तोड़फोड़ की है. प्रदर्शनकारी किसानों ने कुर्सियां टेबल तोड़ डाली है. मुख्यमंत्री के हेलीपैड पर भी किसान इकट्ठा हो गए हैं. अभी तक मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर यहां लैंड नहीं कर पाया है.

जल्लीकट्टू कार्यक्रम में शामिल होने गए लोगों पर गिरी छत, तीन की मौत

कृष्णागिरी। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के नेरलगिरी गांव में छत गिरने से एक आठ साल की लड़की सहित दो की मौत हो गई, दरअसल, यहां बुल चेजिंग इवेंट में छत के नीचे ये लोग खड़े हुए थे, तभी अचानक ये छत गिर गई. दरअसल, आसपास के इलाकों से इकट्ठा हुए कुछ ग्रामीण छत के ऊपर खड़े हुए थे और बाकी लोग भी अलग-अलग जगहों पर खड़े हुए थे. तभी छत गिर गई और लोग हादसे का शिकार हो गए. बता दें कि ये सभी लोग यहां, एरुधुविदुम विज्हा जल्लीकट्टू में होने वाली बुल चेजिंग देखने के लिए आए थे. जल्लीकट्टू में जहां बैल को सड़कों पर खुला छोड़ दिया जाता है. लोग उन्हें पकड़ने की कोशिश करते हैं और बुल के सींग पर बंधे पुरस्कार को हथियाने का प्रयास करते हैं. इस दौरान एक नव निर्माण घर की छत गिर गई जिसमें एक वरिष्ठ नागरिक, एक आठ साल की लड़की की मौत हो गई साथ ही कई लोग घायल भी हो गए. घायलों को तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया. मामले की जांच कर रही पुलिस ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन बिना अनुमति के किया गया था. वहीं, दूसरी तरफ कोरोना महामारी के बीच तमिलनाडु के मदुरै में बिना इजाजत के जल्लीकट्टू का खेल का आयोजन किया गया था.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

बिहार में जेडीयू की कमान

उमेश कुशवाहा के हाथ में, बनाए गए प्रदेश अध्यक्ष

> बिहार में जेडीयू के नए अध्यक्ष के तौर पर उमेश कुशवाहा के नाम पर मुहर लग गई है. इससे पहले जेडीयू नेता वशिष्ठ नारायण सिंह प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे. बता दें कि अभी हाल ही में जेडीयू के राज्यसभा सांसद आरसीपी सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था.

पटना। गौरतलब है कि बीते दिनों पार्टी के वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह ने अपनी खराब सेहत का हवाला देकर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से मुक्ति होने की इच्छा जाहिर की थी. जिसके बाद से ही पार्टी इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए एक नए चेहरे की तलाश कर रही थी. जेडीयू के नए प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की बात करें तो हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में महनार विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में थे लेकिन उन्हें जीत हासिल नहीं हुई थी. जबकि इससे पहले वे इसी सीट से विधानसभा जा चुके हैं. इससे पहले नीतीश कुमार ने शनिवार को जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दौरान एक बड़ा खुलासा

किया. नीतीश कुमार ने 2 दिनों तक चलने वाले प्रदेश कार्यकारिणी के पहले दिन बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के वक्त उन्हें पता ही नहीं चला कि उनका दोस्त कौन है और दुश्मन कौन? राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि नीतीश कुमार का यह बयान सहयोगी दल बीजेपी को लेकर दिया गया है, क्योंकि बैठक में चुनाव हारने वाले कई जेडीयू प्रत्याशियों ने इस बात का जिक्र किया कि उनकी हार लोक जनशक्ति पार्टी की वजह से नहीं बल्कि बीजेपी की वजह से हुई है.सूत्रों के मुताबिक, बैठक में जिन जेडीयू नेताओं ने उन्हें चुनाव में मिली हार के लिए बीजेपी के रोल पर सवाल उठाया उनमें चंद्रिका राय, बोगो सिंह, जय कुमार सिंह, ललन पासवान, अरुण मांझी और आसमां परवीन शामिल हैं. इन नेताओं ने साफ कहा कि चुनाव में उनकी हार लोक जनशक्ति पार्टी की वजह से नहीं बल्कि बीजेपी की वजह से हुई है.

एक नजर....

शोकसभा

मऊरानीपुर, (झाँसी)। भारतीय जनता पार्टी मऊरानीपुर की एक शोकसभा श्री शान्ति निकेतन धनुषधारी मन्दिर प्रागंण में बाबा रामदास ब्रह्मचारी के सानिध्य एवं नगर अध्यक्ष दिनेश राजपूत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसमें पं. विश्वनाथ शर्मा हिन्दू धर्मार्थ न्यास के मानद प्रशासक रमेश बिरथरे झाँसी का 76 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान की गयी। इस मौके पर रामकिशोर साहू, प्रागीलाल अहिरवार, कृष्ण मोहन पुरवार, महेन्द्र पाठक, हरचरन चौकरया, अशोक गिरी, सरोज दुबे, प्रदीप पटेल, हरीमोहन दुबे, चंचल कंथरिया, प्रमोद चतुर्वेदी, भैया सूरौठिया, दीपक कुशवाहा, आशू भारद्वाज, रोहित सोनी, मनीष खेवरिया, राजकुमार शर्मा, डालचन्द्र अहिरवार, आकाश आर्य, कैलाश राजपूत, मनोज मिश्रा, प्रदीप चौरसिया, राजेश बिलाटिया, राकेश सेठिया, मनीष सेठिया, केशव साहू, देशराज सुल्लेरे, शिवम् पाण्डेय, राकेश साहू, धीरेन्द्र झा, लोकेन्द्र सिंह झाँकरी, शैलेन्द्र भदौरिया, कन्हैया लाल भास्कर एवं समस्त भारतीय जनता पार्टी के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी तेजानंद महाराज ने ऊतकोटे तालुक के सदस्यों को आईडी कार्ड सुपुर्द किये

नारायणलाल सैणचा

तमिलनाडु। पौन ब्रोकर्स एवं ज्वैलर्स एसोशिएसन संगठन के प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज ने तमिलनाडु पौन ब्रोकर्स एंवम् ज्वैलर्स एसोशिएसन संगठन -ऊतकोटे तालुक के सदस्यों को संगठन के आई डी कार्ड पहचान पत्र वहाँ के क्षेत्रीय ऐलापुरम सचिव दुर्गाराम परिहार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल सीरवी को सुपुर्द किये इस कार्यक्रम में क्षैत्रीय प्रभारी केराराम हांबड़, मास्टर मांगीलाल गहलोत,पेरिपाल्यम व्यापारी संगठन के सचिव दिलीबाबु गणपत और कुनाराम गहलोत मौजूद रहे सभी क्षैत्रीय पदाधिकारियों और गणमान्य सदस्यों को इस संगठन कार्य में सहयोग के लिए धन्यवाद अतिशीघ्र तमिलनाडु के हर क्षैत्र में संगठन के आई डी कार्ड वितरित कर दिये जायेंगे।

आहार अनुदान योजना में 22 करोड़ रुपये आवंटित

भिण्ड। आदिम-जाति कल्याण विभाग ने पी.व्ही.टी.जी. आहार अनुदान योजना में 22 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। प्रदेश में सहरिया, भारिया एवं बैगा परिवारों को कुपोषण की समस्या से मुक्त करने के लिये विशेष पोषण-आहार योजना संचालित की जा रही है। योजनांतर्गत प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया के खाते में प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि जमा की जा रही है।

प्रतिभा योजना की पुनरीक्षित स्वीकृति-आदिम-जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित आकांक्षा योजना के अंतर्गत जेईई, नीट और क्लेट की परीक्षा में चयन होने के बाद काउंसिलिंग एवं प्रवेश के दौरान विद्यार्थियों को प्रतिभा योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि देय होगी। प्रोत्साहन राशि विद्यार्थियों के गृह जिले के जिलाधिकारियों द्वारा देय होगी। इस संबंध में विभाग ने आदेश जारी किये हैं।

प्रदेश-भर में धूमधाम से मनाया गया अन्न उत्सव

भिण्ड। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने बताया कि अन्न उत्सव में 8 लाख 15 हजार परिवारों को प्रदेश भर में खाद्यान्न वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा उचित मूल्य दुकान स्तर पर वर्ष के प्रत्येक माह में अन्न उत्सव मनाये जाने के निर्देश दिये हैं। इसी अनुक्रम में 7 जनवरी को प्रत्येक जिले में अन्न उत्सव मनाया गया।

36 हजार 978 मेट्रिक टन खाद्यान्न वितरित-मंत्री श्री सिंह ने बताया कि प्रदेश की 15 हजार 884 उचित मूल्य दुकानों पर इस अन्न उत्सव कार्यक्रम में 1690 के.एल. केरोसीन के अलावा 36 हजार 978 मेट्रिक टन अनाज का वितरण किया गया। इसमें 27 हजार 421 मेट्रिक टन गेहूँ, 8 हजार 76 मेट्रिक टन चावल, 189 मेट्रिक टन शक्कर और 1 हजार 292 मेट्रिक नमक का वितरण कराया गया। शेष दुकानों पर अन्न उत्सव के तहत वितरण का आयोजन 10 जनवरी तक किया जाएगा।

अन्त्योदय अन्न योजना के तहत वितरण-संचालक खाद्य श्री तरूण पिथोड़े ने बताया कि इस उत्सव में अन्त्योदय अन्न योजना के अंतर्गत प्रति परिवार 35 कि.ग्रा. खाद्यान्न एक रूपये प्रति कि.ग्रा. की दर से एक किलो शक्कर 20 रूपये प्रति कि.ग्रा., नमक प्रति परिवार एक किलो एक रूपये प्रति कि.ग्रा. की दर से और केरोसीन 3 लीटर प्रति परिवार कलेक्टर दर वितरित कराया गया। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार प्राथमिकता परिवार श्रेणी के अंतर्गत 5 कि.ग्रा. खाद्यान्न प्रति सदस्य 1 रूपये प्रति कि.ग्रा. की दर से, नमक एक रूपये प्रति किलो की दर से एवं केरोसीन दो लीटर प्रति परिवार कलेक्टर द्वारा निर्धारित दर पर वितरित कराया गया। अन्न उत्सव आयोजन में सभी उचित मूल्य दुकानों पर शासकीय कर्मचारी की नोडल अधिकारी के रूप में ड्यूटी लगाई गई थी।

किसानों को अब एमआरपी का लाभ मिलेगा:- मंत्री श्री पटेल

भिण्ड। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिये आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिये द्रुत गति से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश को 2022 तक कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य दिलाने के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे है अब किसानों को एमआरपी का लाभ दिलाया जाएगा। इससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त और समृद्ध बन सकेंगे। मंत्री श्री पटेल शुक्रवार को बैरसिया के हरसिद्धि माता तरावली कलां में किसान चौपाल को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर बैरसिया विधायक श्री विष्णु खत्री भी उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि किसानों को लाभान्वित करने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही है। कृषि क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार कोई कसर नही छोड़ेगी। यह सरकार किसानों की सरकार है। किसानों को समृद्ध बनाने के लिए लाएं गये नए कृषि कानूनों से किसानों की आय कई गुना बढ़ेगी। किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि नए कृषि कानून से किसानों को अधिक मुनाफा होगा। फसलों का अधिकतम मूल्य किसानों को मिलेगा जिससे किसान समृद्ध बनेंगे। श्री पटेल ने किसान चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों सहित ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिये प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा स्वामित्व योजना प्रारंभ की गई है। इससे ग्रामीणों और किसानों को गांव में मौजू उनकी जमीन का मालिकाना हक दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान अब खुद उद्योग धंधे लगा सकेंगे। इसके लिए उन्हें सब्सिडी भी दी जाएगी। इसके पूर्व श्री पटेल ने कार्यक्रम में कन्याओं का पूजन भी किया। उन्होंने माता हरसिध्दि मंदिर में पूजा अर्चना भी की। स्थानीय विधायक श्री खत्री ने भी किसानों के लिए लाए गए तीनों कानून की विस्तार से जानकारी देते हुए इन कानूनों को किसान हितैषी बताया।

सामाजिक दायित्व निभाने विश्वविद्यालय और महाविद्यालय गाँव गोद लें

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करने वालों का सम्मान होगा समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव

भिण्ड। उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव ने बैठक में कहा है कि विभागीय गतिविधियों, कार्यक्रमों और योजनाओं के सम्बन्ध में तथ्यपरक जानकारी प्रस्तुत करें ताकि समुचित निर्णय लेकर व्यवस्थित कार्यवाही प्रारम्भ की जाय और उद्येश्य की पूर्ति सुनिश्चित हो सके। डा. यादव ने आज विभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि नवाचार ऐसे हों जो दीर्घकाल तक विद्यार्थियों सहित समाज के लिए हितकारी साबित हों। सर्वप्रथम पूर्व बैठकों में दिए गये निर्देश एवं निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। मंत्री डा. यादव ने निर्देश दिए कि उच्च शिक्षा के लिए एक करोड़ अथवा इससे अधिक का योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान राज्य स्तर पर किए जाने की कार्रवाई शुरू करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों द्वारा अपने कार्य क्षेत्र के कम से कम एक गाँव को गोद लेकर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। ऐसे ग्रामों को गोद लेने वाली संस्था ग्रामों में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वारोजगार आदि की गतिविधियों का समुचित प्रशिक्षण भी देगी। उन्होंने कहा कि योजना की गांवो में जानकारी देने के लिए किए गए कार्यों एवं गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा कर उन्हें प्रोत्साहित और पुरूस्कृत करने की योजना शीघ्र बनायें। बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, अपर आयुक्त उच्च शिक्षा श्री चन्द्रशेखर बालिम्बे उपस्थित थे। बैठक में मंत्री डा. यादव ने कहा कि महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों और उपलब्ध पदों का युक्तियुक्तकरण करना पहली प्राथमिकता है इस कार्य को इस माह के अंत तक पूरा करना सुनिश्चत करें। उन्होंने कहा महाविद्यालय में संचालित पाठयक्रम के अनुसार प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक आदि की व्यवस्था करना आवश्यक है। मंत्री डा. यादव ने कहा कि आज के परिवेश में जिन विषयों पर शिक्षा की सर्वाधिक आवश्यकता है, परिणामदायी हों, उन्हीं विषयों, पाठ्क्रम, संकाय को पहले प्रारम्भ किया जाए। बैठक में ख्याति प्राप्त व्यक्तियों के नाम पर शासकीय महाविद्यालयों के नामकरण, नवीन निजी महाविद्यालयों की स्थापना, जनभागीदारी समितियों के पंजीयन, विधि महाविद्यालयों में नव नियुक्त सहायक प्राध्यापकों की उपलब्धता, जरूरत के साथ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप तथा उच्च शिक्षा में नवाचार आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई।शासकीय महाविद्यालय भवनों के निर्माण एवं उन्नयन की समीक्षा करते हुए मंत्री डा. यादव ने निर्देश दिए कि महाविद्यालय भवनों सहित सभी विभागीय निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयसीमा में पूर्ण किए जाना सुनिश्चित करें। प्रदेश के 50 शासकीय महाविद्यालयों को बहुविषयक बनाया जायेगा ताकि एक स्थान पर अधिकतम विषयों की शिक्षा दिए जाने की व्यवस्था हो सके। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एकीकृत पोर्टल का निर्माण करवाया जा रहा है। मैप आईटी के सहयोग से करीब 478 करोड़ में यह पोर्टल तैयार होगा।

प्रदेश में जल्द शुरू होगी श्मरीज मित्रश् योजना

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग ने किया शहडोल मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

भिण्ड। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि प्रदेश में जल्द ही मरीज मित्र योजना शुरू की जायेगी। इसमें समाज के प्रबुद्ध वर्ग अपनी सेवाएँ निःशुल्क रूप से चिकित्सा क्षेत्र में दे सकेंगे। यह बात चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शहडोल मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के दौरान ली गई समीक्षा बैठक में कही। श्री सारंग ने मेडिकल कॉलेज के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, ओ.टी. रूम, ड्राय रन रूम आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने कोविड-19 वैक्सीन लगाने संबंधी व्यवस्थाओं को देखा। साथ ही विभिन्न लैब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शहडोल मेडिकल कॉलेज अभी बाल्यावस्था में है। आने वाले समय में कॉलेज को तकनीक और आई.टी. से समृद्ध किया जायेगा। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज को नये लुक में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 12-13 विषयों पर मंथन किया जा रहा है। शासकीय अमला और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग इसे मूर्त रूप देंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि डॉक्टर्स चिकित्सा के साथ शिक्षक की भूमिका बखूबी निभाएं और नये विशेषज्ञ डॉक्टर्स तैयार करें। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष आपसी सामंजस्य, सहयोग एवं सहभागिता से आगे बढ़ अपना अमूल्य योगदान दें। विभागाध्यक्ष, डीन और कमिश्नर एक साथ बैठकर मानव संसाधन सहित अन्य चिकित्सकीय आवश्यकता की व्यवस्थाओं के संबंध में विचार-विमर्श कर उचित निर्णय लें और मेडिकल कॉलेज को बेहतर बनाने में अपना सहयोग दें। इसके लिये निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों से भी सतत सम्पर्क बनायें। व्यवस्थाएँ सुदृढ़ करने में सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग भी सुनिश्चित करें। मंत्री श्री सारंग ने कॉलेज के विद्यार्थियों से पढ़ाई और कॅरियर के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि मानव को ऐसा सुअवसर बहुत कम मिलता है, जब वह दूसरों की जान बचाता है। इसलिये डॉक्टर ईश्वरीय शक्ति से परिपूर्ण माना गया है, जो लोगों को नया जीवन देता है। उन्होंने छात्रों की माँग पर निर्देश दिये कि मेडिकल कॉलेज में लायब्रेरी 24 घंटे खुलवाने की पहल करें। साथ ही आवश्यक तकनीकी सुविधाएँ भी शीघ्र मुहैया करवाने को कहा।

राम मंदिर निर्माण में प्रत्येक हिंदू का सहयोग लेना है: दिनेश चंद्र

रानी पाली नेनाराम

सिरवी। राजस्थान के पाली जिले में भगवान श्री राम जन्म भूमि मंदिर समर्पण निधि अभियान में शहर के प्रमुख व्यक्तियों की बैठक आदर्श नगर स्थित रत्नेश्वर महादेव मंदिर में हुई। बैठक के दौरान पवन पांडे ने बताया कि बैठक में मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिनेश चंद्र ने संबोधित करते हुए कहा कि हम सब हिंदू एक हैं। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का भव्यतम मंदिर बनाना है। राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र मंदिर निर्माण होगा। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता देश के आखिरी गांव तक जाएंगे और भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण को लेकर हर हिंदू परिवार से सहयोग लिया जाएगा।इस दौरान उपस्थित सदस्यों से आग्रह किया कि हम सभी शपथ ले कि राम मंदिर निर्माण में हम स्वयं के साथ सभी समाज के बंधुओं का सहयोग लेंगे। मंदिर के परिक्षेत्र में भगवान श्री राम के बचपन की जीवित झांकी। सीता रसोई। धर्मशाला। देश विदेश के शोधकर्ताओं के लिए शोध केंद्र। तथा संग्रहालय भी बनेगा। इस दौरान जिला मंत्री प्रवीण परिहार ने बताया कि राम मंदिर निर्माण में सहयोग करने पर सांसद पीपी चौधरी। कमल किशोर गोयल। बजरंग लाल । निहालचंद गुलाब चंद भंडारी। अशोक कुमार ज्ञानचंद उपस्थित रहे। इस दौरान प्रांत मंत्री परमेश्वर जोशी। स समर्पणअभियान जिला प्रमुख किशन प्रजापत। जिला संघचालक नेमीचंद अखावत। भीमराज चौधरी आदि भी उपस्थित रहे।

सीरवी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी भामाशाह द्वारा 551000 की घोषणा की गई

रानी पाली नेनाराम

सिरवी। राजस्थान के पाली जिले के जैतारण उपखंड क्षेत्र से पंचायत समिति सदस्य वार्ड संख्या एक गौरी देवी सीरवी द्वारा भगवान श्री राम मंदिर निर्माण के लिए अपनी ओर से ?551000 की घोषणा की गई। सीरवी समाज द्वारा जगह-जगह से वरिष्ठ भामाशाह के माध्यम से भगवान श्री राम मंदिर निर्माण हेतु अपनी ओर से महत्वपूर्ण सहयोग दिया जा रहा है।

संक्रामक रोगों, महामारी नियंत्रण के लिए आवश्यक आवश्यक व्यवस्थाएं करें

भिण्ड । संक्रामक रोगों एवं महामारी की घटनाओं की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सतत् रूप से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा दिए निर्देशों में कहा गया है कि एहतियाती व्यवस्थाएं होने से संक्रामक रोगों, महामारी से बचाव और नियंत्रण प्रभावी ढंग से होता है।

स्वास्थ्य आयुक्त ने निर्देश में कहा है कि प्रदेश में जल-जनित रोगों के प्रकरण व महामारी की रोकथाम के लिये शुद्ध पेयजल के उपयोग करने के लिए आमजन को समझाईश दें। यह कार्य स्वास्थ्य, शिक्षा, मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ता जैसे- आशा, आशा सहयोगी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, एलएचव्ही, सेक्टर सुपरवाइजर, वीईई, वीसीएमडीसीएम आदि लगातार करें। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल सभी आमजन को उपलब्ध हो इसके लिए जिलों में उपलब्ध सभी पेयजल स्त्रोतों व समस्यामूलक ग्रामों की विकासखण्ड-वार और ग्राम-वार सूची तैयार रखें। पेयजल स्त्रोतों और शुद्ध पेयजल उपलब्धता की समीक्षा प्रत्येक माह करें। पीने के पानी के कुँओं का प्रतिमाह क्लोरीनेशन किया जाए। इसका रिकार्ड भी संधारित कराया जाये। दिए गए निर्देशों में कहा गया है कि आंत्रशोध जैसी संक्रामक बीमारी के फैलने की आशंका पर जल शुद्धिकरण प्रतिदिन कराना सुनिश्चित करें। हेण्डपम्प व अन्य जल-स्त्रोतों के शुद्धिकरण की व्यवस्था के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं पंचायत विभाग से समन्वय के साथ कार्य करवाएं।

प्रत्येक ग्राम आरोग्य केन्द्रवार आशा को आवश्यक औषधियों जैसे- ब्लीचिंग पाउडर, जीवन-रक्षक घोल, क्लोरीन की गोलियाँ, क्लोरोक्वीन की गोलियाँ, पेरासिटामाल की गोलियाँ, मेट्रोजिल की गोलियाँ आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करें तथा सेक्टर मीटिंग के दौरान आशाओं का आवश्यकता अनुसार उन्मुखीकरण किया जाना सुनिश्चित करें। मेडिकल कॉलेज, जिला एवं विकासखण्ड-स्तर पर गठित की गई कॉम्बेट टीमों की अद्यतन जानकारी राज्य-स्तर पर प्रेषित करें। मेडिकल कॉलेज व जिलों की आरआरटी टीम में एक मेडिकल विशेषज्ञ, लोक स्वास्थ्य अधिकारी, एक शिशु रोग विशेषज्ञ, पैरामेडिकल एवं एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, वाहन एवं वाहन चालक रखें। विकासखण्ड-स्तर की कॉम्बेट टीम में एक मेडिकल ऑफिसर, एक कम्पाउण्डर/स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, वाहन एवं वाहन-चालक रखें। जीवन-रक्षक औषधियों का पर्याप्त स्टॉक सदैव रखा जाये। ये टीमें बीमारी की सूचना प्राप्त होते ही प्रभावित क्षेत्र में उपचार एवं रोकथाम/नियंत्रण कार्य हेतु तत्काल पहुँचे। प्रचार-प्रसार के माध्यम से जन-साधारण को बीमारियों से बचाव हेतु जागरूक किया जाये। समय-समय पर ग्राम पंचायतों के सदस्यों की बैठक आयोजित कर उन्हें भी बीमारियों की रोकथाम एवं समुचित उपचार के संबंध में जानकारी दी जाये। सभी समस्यामूलक ग्रामों में आशा के पास निर्धारित आवश्यक औषधियाँ सदैव उपलब्ध रहें। ब्लॉक कम्यूनिटी मोबिलाइजर एवं जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर सतत् मैदानी भ्रमण कर वस्तु-स्थिति ज्ञात करें एवं आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। आशा सहयोगी आशा के कार्य का सुपरविजन कर सहयोग प्रदान करें। खण्ड विस्तार प्रशिक्षक (बीईई) व्हीएचएसएनसी दिवस एवं समुदाय में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता में सहयोग करें। जिले में नगरपालिका, नगर निगम, नगर पंचायत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग आदि द्वारा पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। स्वास्थ्य विभाग का दायित्व है कि उपरोक्त विभागों की जल-प्रदाय में शुद्धिकरण पर सतत् निगरानी रखी जाये। आवश्यकता होने पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए इसकी सूचना जिला कलेक्टर एवं संचालनालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। किसी भी संक्रामक रोग एवं महामारी की रोकथाम तथा उपचार के लिये हमेशा सतर्क रहें। यदि जिले में कोई महामारी होती है तो इसके नियंत्रण के उपाय तत्परता से किये जायें। घटना का विस्तृत विवरण और की गई कार्रवाई से संचालनालय को शीघ्र अवगत कराना सुनिश्चित करें।

एक नजर...

मध्यप्रदेश में कोरोना वायरस के 614 नए मामले, नौ और मरीजों की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 614 नए मामले सामने आए जिससे प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 2,47,436 हो गई। यह जानकारी स्वास्थ्य अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटे में इस बीमारी से नौ और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे राज्य में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,691 हो गई। मध्यप्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से इंदौर में दो तथा भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, खरगोन, मुरैना, बड़वानी, एवं दमोह में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 902 मौत इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 588, उज्जैन में 103, सागर में 149, जबलपुर में 244 एवं ग्वालियर में 210 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में शुक्रवार को कोविड-19 के 148 नए मामले इंदौर जिले में आए, जबकि भोपाल में 168 नए मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 2,47,436 संक्रमितों में से अब तक 2,35,421 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गए हैं और 8,324 मरीज़ों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को 809 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

भारत में कोविड-19 के 18139 नए मामले, 234 और लोगों की मौत–दूसरी ओर, भारत में एक महीने में पांचवीं बार 24 घंटे में कोविड-19 के 19 हजार से कम नए मामने सामने आए और देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,04,13,417 हो गए, जिनमें से 1,00,37,398 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अपडेट आंकड़ों के अनुसार देश में एक दिन में कोविड-19 के 18,139 नए मामले सामने आए। वहीं 234 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,50,570 हो गई।

सुप्रीम कोर्ट की नोटिस लेकर मुख्तार अंसारी को लाने के लिए पंजाब पहुंची यूपी पुलिस

गाजीपुर। रंगदारी के मामले में पंजाब के रोपड़ जेल में बंद यूपी के बाहुबली मुख्तार अंसारी को लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का नोटिस लेकर यूपी पुलिस पंजाब पहुंची थी। पुलिस ने चंडीगढ़ में सरकार के मुख्य सचिव और रोपड़ जेल के जेल अधीक्षक को नोटिस रिसीव कराई। नोटिस देने के बाद भी पुलिस खाली हाथ पंजाब से लौटी। मऊ के बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी को पंजाब के रोपड़ जेल से वापस लाने के लिए यूपी पुलिस हर दांव पेंच आजमा रही है। कुछ माह पहले मुहम्मदाबाद कोतवाली में दर्ज फर्जी दस्तावेजों पर असलहे का लाइसेंस लेने के मामले में प्रयागराज की एमपी-एमएलए की अदालत में उसकी पेशी होनी थी। आजमगढ़ में दर्ज आपराधिक मामले में मुख्तार को वहां सेशन कोर्ट में पेश किया जाना था। लेकिन पंजाब जेल प्रशासन मुख्तार को यूपी पुलिस के हवाले करने के लिए तैयार नहीं था। हर बार रोपड़ जेल प्रशासन ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट का हवाला देकर मुख्तार को देने से मना करता रहा। मेडिकल रिपोर्ट लगाने से आजिज होकर यूपी सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने रोपड़ जेल अधीक्षक को 18 दिसंबर को एक नोटिस जारी किया था। सरकार ने इस नोटिस को भिजवाने की योजना बनाई। इस पर पुलिस अधीक्षक ने मुहम्मदाबाद कोतवाली के दो उप निरीक्षकों को इसके लिए भेजा। यूपी से पुलिस की दो सदस्यीय टीम पंजाब के रोपड़ और चंडीगढ़ पहुंची। एक ने चंडीगढ़ में सरकार के सचिव और दूसरे ने रोपड़ जेल अधीक्षक को नोटिस सौंपा।

जेल की बैरक में महंत को नहीं आ रही नींद, जेल प्रशासन से मांग रहा सुल्फा

बदायूं। उघैती कांड का आरोपी महंत गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा चुका है। जेल की बैरक में महंत को नीद नहीं आयी। वह बार-बार सुल्फा की मांग कर रहा। सुल्फा की लत के चलते ही गांव में छिपे महंत के बाहर आने पर उसे ग्रामीणों ने दबोचा था। जेल पहुंचने के बाद महंत सत्यनारायण को बैरक संख्या 12 में रखा गया है। यहां वह रातभर करवटें बदलता रहा। अन्य बंदियों ने उससे बात भी करना चाही लेकिन किसी से कुछ नहीं बोला। खामोशी के साथ लेटने के बाद वह रातभर चैन से सो नहीं सका। वजह है कि बिना सुल्फा के उसे नींद नहीं आ रही थी। जेल में उसे यह नशा नहीं मिल पा रहा था। जेल प्रशासन के अधिकारी उसके हर मूवमेंट पर लगातार नजर रखे हुये हैं। उसे अकेला न रखते हुए अधिकारियों ने कुछ बंदियों के साथ रखा गया है। बंदियों को भी बाबा की हर गतिविधि की जानकारी देने का निर्देश दिया गया है। बदायूं जेल अधीक्षक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि महंत किस बैरक में शिफ्ट है, इसकी जानकारी किसी को नहीं दी जा सकती। इतना जरूर है कि उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। गोपनीय तौर पर उसकी निगरानी की जा रही है।

पेड़ से लटकती मिली युवती की लाश, नहीं हुई पहचान

बहराइच। बहराइच में एक युवती का शव पेड़ की डाल से लटकता मिला है। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोटोग्राफी कराकर पहचान के लिए शव मर्च्युरी में रखवाया गया है। 72 घंटे बाद शव का पोस्टमार्टम होगा। खैरीघाट थाने के चौगाई गांव के बाहर रविवार को सुबह लगभग 9 बजे लोगों ने एक लगभग 25 वर्षीय युवती का शव पेड़ की डाल से रस्सी के सहारे लटकता देखा। यह खबर जंगल की आग की तरह फैली। आसपास के ग्रामीणों की भीड़ लग गई। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई । युवती आसमानी कढाई का कुर्ता व सलवार पहने हुई थी। सिर पर दुपट्टा था। एसएचओ विमलेश कुमार सिंह ने शव पेड़ से उतरवाकर पहचान कराने की कोशिश की। पहचान न होने पर फोटोग्राफी कराकर शव मर्च्युरी में रखा गया है। एसएचओ ने बताया कि ऐसा कोई सामान नहीं मिला है। जिससे शव की पहचान की जा सके। पहचान के लिए 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

लव जिहादः मध्यप्रदेश में अब जबरन धर्मांतरण कराने पर मिलेगी सख्त सजा

राज्यपाल ने अध्यादेश को दी मंजूरी

भोपाल। मध्यप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को कथित लव जिहाद के खिलाफ एक अध्यादेश को स्वीकृति प्रदान कर दी। इसमें शादी की आड़ में धोखाधड़ी कर धर्मांतरण कराने पर सख्त दंड का प्रावधान किया गया है। मध्यप्रदेश में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2020 में कुछ मामलों में दस साल की जेल के दंड का प्रावधान किया गया है। इसमें कुछ प्रावधान उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा जारी किए गए अध्यादेश के समान हैं, जो धोखाधड़ी से धर्मांतरण के खिलाफ हैं। प्रदेश के गृह विभाग के अपर सचिव राजेश राजौरा ने कहा कि राज्यपाल की मंजूरी के बाद यह अध्यादेश राजपत्र अधिसूचना में प्रकाशित किया गया है।

इस अधिसूचना के साथ ही यह अध्यादेश कानून के तौर पर प्रदेश में लागू हो गया है। इसके अनुसार, अब जबरन, भयपूर्वक, डरा- धमका कर, प्रलोभन देकर, बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन करवा कर विवाह करने और करवाने वाले व्यक्ति,संस्था अथवा स्वयंसेवी संस्था की शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल अध्यादेश में किए गए प्रावधानों के मुताबिक संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस कानून के जरिए शादी तथा किसी अन्य कपटपूर्ण

तरीके से किए गए धर्मांतरण के मामले में अधिकतम 10 साल की कैद एवं 50 हजार रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। मध्यप्रदेश के इस कानून में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020 की तरह एक और समानता है कि इस कानून का उल्लंघन करने वाली किसी भी शादी को शून्य माना जाएगा। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने अध्यादेश का रास्ता इसलिए अपनाया, क्योंकि कोविड-19 की मौजूदा स्थिति के चलते 28 दिसंबर से प्रस्तावित रहे प्रदेश विधानसभा के तीन दिवसीय शीतकालीन सत्र के स्थगित हो जाने से सदन में इस संबंध में विधेयक पेश नहीं किया जा सका। राज्य मंत्रिमंडल ने 29 दिसंबर को हुई बैठक में इस अध्यादेश को मंजूरी दे दी थी।

सजा और जुर्माने का प्रावधान–इस कानून में अपना धर्म छिपाकर किए गए विवाह के मामलों में तीन से 10 साल की सजा और 50,000 रुपए जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और नाबालिगों के धर्मांतरण से जुड़े मामलों में दो से 10 साल की कैद और 50,000 रुपए जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसमें धर्मांतरण करने वाले व्यक्ति के माता-पिता, कानूनी अभिभावक या संरक्षक और भाई-बहन इस संबंध में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके साथ ही इसमें धर्मांतरण के इच्छुक लोगों को 60 दिन पहले जिला प्रशासन के पास आवेदन करने की जरूरत होगी। पीड़ित महिला कानून के तहत रखरखाव भत्ता पाने की हकदार होगी। ऐसी शादियों से पैदा हुए बच्चे पिता की संपत्ति के हकदार होंगे।

भोपाल में कोवैक्सीन ट्रायल डोज लेने के 9 दिन बाद वॉलंटियर की मौत, भारत बयोटेक ने दी सफाई

नई दिल्ली। भोपाल के पीपुल्स मेडिकल कॉलेज में 12 दिसंबर को कोवैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल के दौरान टीका लगवाने के नौ दिन बाद 42 वर्षीय वॉलंटियर दीपक मरावी की मौत हो गई। इससे हड़कंप मच गया है। हालांकि, कुलपति डॉ. राजेश कपूर का कहना है कि मौत के कारणों का सही से पता विसरा जांच के बाद ही चल पाएगा। मरावी टीला जमालपुरा स्थित सूबेदार कॉलोनी में अपने घर में मृत पाए गए थे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर, वैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने इस मामले में अपनी सफाई देते हुए कहा है कि भोपाल में कोवैक्सीन के तीसरे चरण के परीक्षण के तहत टीका लगवाने वाले वॉलंटियर की मौत का उसके टीके से कोई संबंध नहीं है।वहीं, मध्य प्रदेश मेडिको लीगल इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अशोक शर्मा ने बताया कि 22 दिसंबर को पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के अनुसार प्रारंभिक जांच में दीपक के शरीर में जहर की पुष्टि हुई है। मौत कोवैक्सीन का टीका लगवाने से हुई या किसी अन्य कारण से, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद होगी। दीपक के शव का विसरा पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस विसरे का केमिकल परीक्षण कराएगी। गौरतलब है कि भारत बायोटेक और आईसीएमआर द्वारा बनाई गई स्वदेशी कोरोना वैक्सीन

(कोवैक्सीन) का 7 जनवरी को अंतिम ट्रायल पूरा हुआ है।

अचानक खराब होने लगी तबीयत–जानकारी के मुताबिक, आदिवासी परिवार से आने वाले दीपक मरावी के बेटे आकाश ने पुलिस को बताया कि पिताजी को 19 दिसंबर को अचानक घबराहट, बेचैनी, जी मिचलाने के साथ उल्टियां होने लगीं। 17 दिसंबर को कंधे में दर्द भी हुआ था, लेकिन, उन्होंने इसे सामान्य बीमारी समझकर इलाज नहीं कराया। आकाश के मुताबिक, डोज लगवाने के बाद से पिता ने मजदूरी पर जाना बंद कर दिया था, वे कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कर रहे थे। आकाश ने बताया, पिताजी की सेहत 19 दिसंबर को बिगड़ी थी और 21 दिसंबर को उनका निधन हुआ। उस वक्त वे घर में अकेले थे। मां काम से बाहर गई थी और छोटा भाई बाहर खेल रहा था। अगले दिन सुभाष नगर विश्राम घाट पर हमने उनका अंतिम संस्कार कर दिया।

भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ित भी थे दीपक–आकाश ने बताया कि डोज लगवाने के बाद सेहत का हाल जानने अस्पताल से फोन आते रहे। 21 दिसंबर को पिताजी के निधन की जानकारी लेने पीपुल्स प्रबंधन से तीन बार फोन आए, लेकिन संस्थान से कोई भी नहीं आया। पिताजी भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ित भी थे।

अस्पताल ने पूरी प्रक्रिया का किया पालन–डॉ. राजेश कपूर ने दावा किया कि ट्रायल दीपक की मर्जी के बाद ही हुआ। साथ ही ट्रायल के दौरान अस्पताल ने पूरी प्रक्रिया का पालन किया। 21 दिसंबर को दीपक की मौत के बाद हमने भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल और वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक को घटना की सूचना दी थी। वैक्सीन लगाने के बाद आधे घंटे तक दीपक का परीक्षण भी किया गया था।

भारत बायोटेक ने दी सफाई–वॉलंटियर की मौत को लेकर हैदराबाद स्थित कंपनी ने बयान जारी कर कहा, 'गांधी मेडिकल कॉलेज (भोपाल) की ओर से जारी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक वॉलंटियर की मौत संभवतः जहरखुरानी के कारण कार्डियो-रेस्पिरेटरी प्रणाली के फेल हो जाने की वजह से हुई।

सीएम शिवराज का ऐलान, गांव से बाहर जाकर काम करने वाली महिलाओं का होगा रजिस्ट्रेशन

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ऐलान किया है कि, प्रदेश से बाहर काम पर जाने वाली युवतियों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने संवाददाताओं से चर्चा में कहा, राज्य से बड़ी संख्या में गांव से बाहर युवतियां काम की तलाश में जाती हैं, काम के लिए बाहर जाने में कोई आपत्ति नहीं है, मगर उनकी सुरक्षा जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस दिशा में निरन्तर कार्य होगा ताकि बहनें स्वयं सशक्त होकर एक सशक्त समाज की रचना में सहयोगी बनें। प्रदेश की बहनों को गरीब नहीं रहने दिया जायेगा। इनमें स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। स्व-सहायता समूहों के गठन, उनके प्रशिक्षण, उन्हें बैंक लिंकेज दिलवाने और मार्केटिंग का लाभ दिलवाकर आर्थिक लाभ प्रदान करवाने के कार्य लगातार चलेंगे। पोषण आहार तैयार करने का कार्य अब ठेकेदार नहीं बल्कि महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं करेंगी। इन समूहों के उत्पाद पोर्टल के माध्यम से दूसरे देशों तक जा सकेंगे। गरीबी मिटाने का यह बहुत बड़ा माध्यम होगा। सी.एम. चौहान ने कहा कि, इसके लिए एक अभियान चलेगा, जिसके लिए यह व्यवस्था की जा रही है कि गांव से जो बेटी बाहर काम के लिए जाती है, तो वह कहां काम के लिए गई है इसकी जानकारी देना होगी। इसके साथ ही एक टेलीफोन नंबर होगा जिस पर बेटी किसी भी तरह की समस्या पर कॉल कर सकती है और सहायता व सहयोग मांग सकती है।

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

वैक्सीनेशन को लेकर वैज्ञानिकों को कहा धन्यवाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना वैक्सीन के लिये देश के वैज्ञानिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। सीएम योगी ने 16 जनवरी से शुरू होने वाले कोविड वैक्सीनेशन अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सहित पूरा देश कोरोना के खिलाफ सफलतापूर्वक जंग लड़ रहा है। उन्होंने कोरोना के खिलाफ जंग में नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए सभी कोरोना वॉरियर्स जिनमें डॉक्टर, पैरा मेडिक्स इत्यादि शामिल हैं, का भी अभिनन्दन किया है। उन्होने कोविड-19 से लड़ने के लिए देश के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किये गये वैक्सीन के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि भारत इकलौता ऐसा देश है, जहां कोविड-19 के लिए दो वैक्सीन तैयार किए गये हैं। उन्होंने कोरोना के खिलाफ जंग में सहयोग के लिए जनता का भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सबके प्रयासों से उत्तर प्रदेश कोरोना पर विजय प्राप्त करने में हर हाल में सफल होगा। सीएम योगी ने प्रदेश की जनता से कोरोना प्रोटोकॉल का निरन्तर पालन करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि अभी भी मास्क लगाना, दो गज दूरी बनाए रखना अत्यन्त आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि कल 11 जनवरी को कोविड वैक्सीनेशन अभियान का ड्राई रन पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा।

यूपी किराएदारी कानून के तहत अब

मकान मालिक और किराएदार को इन शर्तों का करना होगा पालन

लखनऊ। राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश नगरीय परिसर किराएदारी विनियमन अध्यादेश-2021 को मंजूरी दे दी है। गजट जारी होते ही किराएदारी कानून यूपी में लागू हो जाएगा। इसके लागू होते ही मकान मालिक और किराएदार की मनमानी पर रोक लग जाएगी। किराएदार को शर्तों के आधार पर ही रहना होगा। मकान मालिक आवासीय परिसर का दो माह और गैर आवासीय परिसर का छह माह का एडवांस लेगा। इसे धरोहर धनराशि के रूप में रखा जाएगा। हर जिले में किराया प्राधिकरण और किराया अधिकरण का गठन होगा। किराया प्राधिकरण में एडीएम स्तर का अफसर किराया प्राधिकारी नियुक्त होगा। किराया अधिकरण में जिला जज स्वयं अध्यक्ष होगा या फिर अपर जिला

न्यायाधीश को नामित करेगा। मकान मालिक साल में एक बार किराया बढ़ा सकेगा। आवासीय पर पांच प्रतिशत और गैर आवासीय परिसर पर सात प्रतिशत बढ़ा सकेगा। किराया बढ़ाने से पहले मकान मालिक को किराएदार को एक माह पहले नोटिस देना होगा। मकान मालिक और किराएदार को करार समाप्त होने के एक माह पहले प्राधिकरण को बताना होगा। मकान मालिक ने अगर अकेले जानकारी दी है और किराएदार ने जानकारी नहीं दी है, तो मकान मालिक किराएदार को बेदखली का आवेदन दे सकेगा। मकान मालिक को संपत्ति प्रबंधन के संबंध में किराएदार से शर्तों पर करार करने की छूट होगी और इसका पालन किराएदार को करना होगा। किराएदार को किराए पर रहने के लिए नवीकरण या विस्तार कराने का अधिकार होगा। मकान मालिक से वो इस संबंध में अनुरोध कर सकेगा। मकान मालिक को इसके आधार पर एक नया करार करना होगा। किराएदर किराया नगद, चेक, बैंक ड्राफ्ट, पोस्टल मनी ऑडर से भी दे सकेगा। किराएदार को परिसर को ठीक से रखना होगा। टूट-फूट होने पर उसे मरम्मत कराना होगा। अगर नहीं कराता है तो मकान मालिक कराएगा और एडवांस में जमा राशि से इसे काट लेगा।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पार करते वाहन ने युवक को रौंदा, मौत

उन्नाव। उन्नाव में औरास थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के 271 प्वाइंट रानीखेड़ा गांव के पास रविवार सुबह अज्ञात वाहन ने युवक को रौंद दिया। मौके पर ही युवक की मौत हो गई। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की पहचान करवाई और परिजनों को सूचना देने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हाजीपुर गोशा गांव का युवक पृथ्वीपाल किसी काम से सुबह घर से निकला था। रानीगंज गांव के पास एक्सप्रेसवे पार करते समय वाहन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। मौत की खबर मिलने पर पत्नी राधा व चार बेटे बेशुध हो गए। परिजनों के मुताबिक पृथ्वीपाल शनिवार देर शाम को ही लखनऊ स्थित ससुराल से वापस घर लौटा था।

सीएम योगी बोले, प्रदेश में भय फैलाने और समाज बांटने वालों के लिए कोई जगह नहीं

फर्रुखाबाद। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को फर्रुखाबाद में कहा कि सूबे में समाज को बांटने वालों और भय व आतंक पैदा करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि साढ़े 3 सालों में लोगों ने बदलाव देखा है। योजनाओं का लाभ हर गरीब को मिल रहा है। सीएम ने कहा कि पहले दिल्ली से जो पैसा चलता था वह बिचौलियों की भेंट चढ़ जाता था और गरीबों तक सीधा इसका लाभ नहीं पहुंचता था, अब प्रधानमंत्री ने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रहा है और इन्हें उसका हक मिल रहा है। संकिसा में आरोग्य मेले का शुभारंभ करने के बाद मुख्यमंत्री ने एक सभा को संबोधित किया, इस दौरान उन्होंने 91 की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। करीब 45 मिनट के संबोधन में उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार को घेरा, उन्होंने कहा कि 2017 से पहले लोग घरों से बाहर निकलने में घबराते थे, महिलाएं असुरक्षित थी। अब बेटी-बहनें स्कूल सर्विस और बाजार के लिए आराम से जा सकती हैं । प्रदेश में अपराधी माफिया गैंगस्टर और

धन का बंदरबांट करने वाले भयभीत हैं। उन्होंने कहा कि माफिया जमीन पर कब्जा किया करते थे अब उनकी जमीनों पर बुलडोजर चल रहा है। ऐसे में उनके रहनुमाओं को परेशानी हो रही है उन्हें इस बात की परेशानी है कि किसानों-गरीबों की जमीन को मुक्त कराया जा रहा है। पेशेवर माफियाओं में छटपटाहट है उनके गुर्दे जान की भीख मांग कर घूम रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रिया बोला। उन्होंने कहा कि कोरोना काल मे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के लोगों ने साहस और धैर्य का परिचय देते हुए विजय पाकर दुनिया में मिसाल पेश की है, कोरोना से अभी भी हमें सावधान रहना है। संकिसा के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि फर्रुखाबाद में अच्छी वैरायटी का आलू पैदा होता है यहां पर चिप्स क्यों नहीं बनाया जा सकता है इसके लिए काम आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि खेती को लाभकारी बनाया जाए इसके लिए अफसर किसानों के साथ बैठक करें। भगवान गौतम बुद्ध का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संकिसा को पर्यटन की नई ऊंचाइयों तक ले जाने की जरूरत है, इसके लिए काम शुरू होगा और जल्द ही यहां पर्यटन विकास की टीम आकर कार्य योजना तैयार करेगी।

देह विक्रय की पीड़

मैं तरल हूँ, मैं स्निग्ध हूँ, मैं कठोर हूँ तो कोमल भी हूँ, पर ज़माने की नज़रों में मुफ़लिसी का मोहरा या लूटी जाती है जो आसमान से गिरी वो कटी पतंग सी वासना सभर हाथों से रोज़ रात को लूटी जाती हूँ... किंमत ठहरी काड़ी की दमड़े के हाथों में बेची जाती हूँ, नापी जाती हूँ नज़रों से, मोली जाती हूँ गालियों में, जिसकी जितनी औकात उस पलड़े में तोली जाती हूँ...मर्दानगी की आड़ में खुलती है परतें तन की रंगीनियों में उघड़ कर मेरी त्वचा के भीतर हवस की आग में सराबोर नौंच कर फेंकी जाती हूँ..गंध भरते बदबूदार नासिका में शराब की बोतल सी खोली जाती हूँ, वहशीपन की हरारतों से उतरते पशु को सहजते जलते हाथों में रौंदी जाती हूँ...पीर नहीं पहचानता कोई बाज़ारू जो ठहरी, ना स्पंदन दिल के छूते है ना सौहार्द भाव जगते है, भोगने वालों के तन के नीचे दबकर बेमन से मसली जाती हूँ...तन के लालायित मन तक भला कौन पहुँचे सपनों की सेज मेरी फूलदल से कौन भर देगा सजे हाथों की चाह लिए छटपटाते वीर्य की बूँदों से लदी जाती हूँ ...तड़पते बूँद दो छंट जाती है पलकों से तब पापी पेट की आग को बुझाने खारा समुन्दर भी खुशी-खुशी नम आँखों से पी जाती हूँ..स्याह रात के ख़ौफ़नाक मंज़र से सुबकते है साँसे, उजालों को तरसती मैं भीतर ही भीतर दर्द के मारे दुबक जाती हूँ...दर्द के गाढ़े तार में पिरोकर सन्नाटे बुनती हूँ मज़बूत ताने का सिरा ढूँढती एक भी रंग ज़िंदगी में मेरी पसंद का नहीं सोचकर दर्द निगल जाती हूँ ...कैसी होती होगी सम्मानित सी ज़िंदगी, कैसा होता होगा ससुराल, सपने में भी नहीं देखा ऐसा सुहाना मैंने संसार, बहारों की आस लिए पतझड़ की आदी होती जाती हूँ ...कल्पनाओं की पालकी में ज़ूस्तजु लिए जीती हूँ कहीं मुझे ख़्वाब पालने का हक साहब, कोठे वाली या रंडी जैसी हल्की भाषाओं से नवाज़ी जाती हूँ।

(भावना ठाकर,'बंगलूरु') #भावु

समस्यात्मक संग्रहालय

सबसे पहला व सबसे बड़ा प्रश्न कि आखिर यह समस्या है क्या? आखिर समस्या की सर्वमान्य व निश्चित परिभाषा क्या हो सकती है? आखिर समस्या का जन्म किस समस्या से उत्पन्न होता है? क्या समस्या एकल होती है या बहुल? इन सभी प्रश्नों में एक ही बात समान है कि आखिर समस्या का असल परिचय क्या है? इन्हीं प्रश्नों का सटीक उत्तर प्राप्त करना इस लेख का मूल उद्देश्य है। अनुसंधान के क्षेत्र में समस्या की पहचान करना ही सबसे बड़ी समस्या है, क्योंकि बिना समस्या की पहचान के कोई भी अनुसंधान आगे नहीं बढ़ सकता। समस्या किसी व्यक्ति, वस्तु, समय या स्थान विशेष का परिचायक नहीं, बल्कि समस्या किसी कार्य, घटना व साक्ष्य की दृश्य-श्रव्य साक्षात्कार स्वरूप होती है, जो सभी व्यक्ति, वस्तु, समय व स्थान विशेष की स्थिति में उथल-पुथल की आनुभाविक स्थिति को अनियंत्रित व अनियमित करने की क्षमता से परिपूर्ण होती है। अनुसंधान हो या जीवनकाल सभी में समस्या का स्वरूप सर्वत्र एक समान ही होता है, बस अंतर इतना ही कि वह समस्यात्मक दृष्टिकोण से कम-ज्यादा हो सकता है। विभिन्न प्रसंगों, घटनाओं, संघर्षों व मतभेदों के कारण जन्मी पीड़ा को ही सामान्य रूप में समस्या कहा जाता है। समस्याएँ बाह्य वृत्ति से आती दिखती हैं, मगर उसका मूल कहां पर है? इस प्रश्न को जरूर सोचना चाहिए, क्योंकि उस परिस्थितियों का निर्माता वह स्वयं है। समस्या वास्तव में समस्याओं की जनक है, क्योंकि समस्या स्वयं में ही एक समस्या है। समस्या को प्राकृतिक व अप्राकृतिक दो भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है, जो शारीरिक व मानसिक दोनों रूपों में मौजूद रहती है। निर्णय लेना भी एक प्रकार की समस्या है, जबकि यही समस्या का असली समाधान भी है। समस्याएँ एक दुधारी तलवार के माफिक होती हैं, जो सामने वाले की साहस व बुद्धि को अनवरत चुनौती देती रहती हैं, क्योंकि प्रगति व उपलब्धियों का प्रथम व अंतिम मूल, समस्याएँ ही होती हैं। यदि किसी भी जीव-जंतु के जीवन में समस्याएँ न हो तो जीवन नीरस हो जाएगा, यही कारण है कि जितनी जरूरी उपलब्धियाँ हैं उससे कहीं ज्यादा जरूरी समस्या होती है, क्योंकि बिना समस्या के सृजन का जन्म असंभव है। सच तो यह है कि समस्त सृष्टि का सम्पूर्ण जीवन चाहें वह एक चीटी का हो या मनुष्य का एक समस्यात्मक संग्रहालय होता है, जहाँ समस्याओं का स्थान बहुत ही सम्मानजनक होना चाहिए, परंतु ज्यादातर इन समस्याओं को उपेक्षित दृष्टि से देखा जाता है, उनसे कतराते हुए देखा गया है, जबकि यह शाश्वत सत्य है कि समस्या कोई भी ऐसी नहीं जिसका समाधान न हो, बस जरूरत है इससे टकराने की, इससे लड़ने की। यह शाश्वत सत्य है कि जिंदगी कठिनाइयों से परिपूर्ण होती है, परंतु फिर भी इस सत्य को लोग स्वीकार नहीं करना चाहते, वह बस संताप ही करते हैं कि उनके पास तो समस्याओं का सम्पूर्ण संग्रहालय ही है, वह इससे कैसे लड़ें? सत्य तो यह है कि इस चराचर जगत का हर जीव अपनी परिस्थितियों का स्वयं निर्माता होता है। परिस्थितियों पर जीत और हार दोनों देखी गई हैं। परिस्थितियां अपने अनुसार जीवन को कभी नहीं ढाल सकतीं, क्योंकि जीवन कभी भी परिस्थितियों की दासता स्वीकार नहीं करता, अतः यह निराधार है कि परिस्थिति के अनुरूप समस्याओं ने हमें मजबूर कर दिया। समस्याएँ सृजन के वे हथियार हैं, जो नवीनता की खोज करते हैं, वह भी एक ऐसी खोज जो आज से पहले कभी अस्तित्व में ही नहीं थीं। अनंतकाल बीत गया, युग-युगांतर भी बीता परंतु समस्याओं का अंत शायद ही कभी देखने को मिला हो। जब तक जीवन है, उसमें चिंतन-मनन, विचार व आवश्यकता में स्थायित्व है, तब तक समस्याओं का संग्रहालय भी चिरस्थायी ही रहेगा। काम, क्रोध, लोभ, मोह, वासना, घृणा, शोक, भय आदि मनः आवेग जब तक मौजूद रहेंगे, तब तक समस्याओं का स्थायित्व बरकरार रहेगा, क्योंकि यह सभी मनः आवेग आवश्यकताओं के कारण ही जन्म लेते हैं। यह बात शत प्रतिशत सत्य है कि जहाँ आवश्यकता आविष्कार की जननी है, वहीं समस्या की पोषक भी है। अतः समस्याओं का असल संग्रहालय आवश्यकताएं ही हैं।

मिथलेश सिंह मिलिंद
मरहट पवई आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश)

अभिमान बढ़ाएं मिलकर हम

चलो हिन्दी का मान और सम्मान
बढ़ाएं मिलकर हम
विश्व पटल पर अपनी अलग
पहचान बनाएं मिलकर हम..।।
मातृ भाषा की गरिमा को
हम कभी नहीं झुकने देंगे
करो प्रतिज्ञा आज सभी
अभिमान बढ़ाएं मिलकर हम..।।
प्रेम भाव सद्भाव सिखाती
है हमको हिन्दी भाषा

हर दिन हिन्दी दिवस मनाएं
अभियान चलाएं मिलकर हम..।।
बेबस और लाचार नहीं
हम हिन्दी को होने देंगे
मन में ऐसा भाव जगाकर
हिन्दी दिवस मनाएं मिलकर हम..।।
चलो हिन्दी का मान और सम्मान
बढ़ाएं मिलकर हम
विश्व पटल पर अपनी अलग
पहचान बनाएं मिलकर हम..।।
पहचान बनाएं मिलकर हम..।।

(हिन्दी दिवस पर समर्पित)
विजय कनौजिया

सम्पादकीय

अब बर्ड फ्लू की आहट

कोविड-19 और उसके नए स्ट्रेन के भारत पहुंचने को लेकर देश की चिंताएं अभी थमी भी न थीं कि बर्ड फ्लू से जुड़ी खबरों ने देशवासियों को एक नई उलझन में डाल दिया है। मध्य प्रदेश के इंदौर, मंदसौर और राजस्थान के झालावाड़ से पक्षियों के मरने की खबर और जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि के बाद अब इसका दायरा हिमाचल से लेकर केरल तक फैल चुका है। हिमाचल में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी इन दिनों पोंग डैम झील में उतरते हैं, अब तक वहां लगभग 1,800 ऐसे पक्षियों के मरने की सूचना है। केरल में अलप्पुझा और कोट्टायम जिलों में मृत बत्तखों में एच5एन1 की पुष्टि के बाद सभी जिलों को अलर्ट कर दिया गया है। अब तो वहां इसे आपदा घोषित कर दिया गया है और राज्य में कंट्रोल रूम सक्रिय भी हो गए हैं। केरल की इस तत्परता की सराहना की जानी चाहिए। अपनी इसी सजगता के कारण वह कोविड-19 के मामले में भी मृत्यु-दर को थामने में बहुत हद तक सफल रहा है। बर्ड फ्लू कोई नई आपदा नहीं है, लेकिन इसकी प्रकृति को देखते हुए यह वक्त बहुत खतरनाक है। यह वायरस कितना घातक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंसान के इससे संक्रमित होने के बाद मृत्यु-दर लगभग 60 फीसदी आंकी गई है। इंसान से इंसान में आसानी से संचरण की प्रकृति भी इसको खतरनाक बनाती है, इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया भर के देशों को इसे लेकर आगाह करता रहता है कि ऐसी कोई भी नौबत सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बेहद गंभीर साबित होगी। संतोष की बात है, अभी पोल्ट्री फॉर्म के स्तर पर किसी तरह के संक्रमण की सूचना नहीं मिली है, मगर केंद्र समेत तमाम राज्य सरकारों को अपनी निगरानी बढ़ानी होगी। स्वाभाविक रूप से सर्दियों में पोल्ट्री उत्पादों की खपत काफी बढ़ जाती है और ऐसे में कोई भी लापरवाही भारी साबित हो सकती है। वैसे भी, जिस मोड़ पर दुनिया खड़ी है, वहां इलाज से बेहतर एहतियात का सूत्र ही अभी कारगर साबित हो रहा है। किसी भी प्रकार की दहशत में आए बिना सरकार और तंत्र के लिए यह जरूरी है कि लोगों को बर्ड फ्लू के बारे में जागरूक किया जाए। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, यदि पोल्ट्री उत्पादों को 70 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में अच्छी तरह से पकाकर खाया जाए, तो वह भोजन सुरक्षित है। कच्चे या अधपके मांसाहार के लिहाज से यह वायरस विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत में भी खान-पान के मामले में नित नए-नए प्रयोग होने लगे हैं, इसलिए सावधानी की जरूरत अब पहले से कहीं ज्यादा है। हमारा स्वास्थ्य ढांचा कोरोना महामारी के कारण पहले ही काफी दबाव में है। देश इस समय इसके टीकाकरण अभियान की तैयारियों में जुटा है। ऐसे में, बर्ड फ्लू की चुनौती को गंभीरता से लिए जाने की जरूरत है। प्रशासनिक चौकसी से जुड़े लोगों के साथ-साथ नागरिक समाज, खासकर पोल्ट्री उद्योग से जुड़े लोगों की यह जिम्मेदारी है कि पक्षियों की असामान्य मौत की सूचना वे तुरंत अधिकृत विभाग को दें। देश को उनकी सतर्कता, तत्परता और कर्तव्यपरायणता की इस वक्त सबसे अधिक जरूरत है। कोरोना के प्रकोप से हम पहले ही जान-माल का काफी नुकसान उठा चुके हैं, और अब किसी तरह की कोई भी भूल अपराध ही कहलाएगी।

धोखाधड़ी से हुए ऑनलाइन लेनदेन के लिए बैंक उत्तरदाई होगा जब तक खाता धारक का दोष साबित ना हो- एनसीडीआरसी

डिजिटलाइजेशन युग में सभ को वित्तीय लेन-देन व क्रेडिट कार्ड में सावधानी सतर्कता बरतने की जरूरत - एड किशन भावनानी

गोंदिया - वर्तमान डिजिटलाइजेशन युग में नागरिकों को बहुत सुख साधन सुविधाएं प्राप्त हो रही है। घंटों का काम मिनटों में और मिनटों का काम सेकेंडों में घर बैठे बैठे हो जाता है। ना बाहर जाने की जरूरत और ना ही लाइन में लगने का झंझट। हजारों किलोमीटर दूर और सात समंदर पार से भी कुछ मंगाना हो, या लेनदेन करना हो तो मिनटों में ही हो जाता है। पर बड़े बुजुर्गों की बात को नहीं भूलना चाहिए कि गुलाब के फूल भी कांटो की छड़ी पर ही उगते हैं यहां भी अगर डिजिटलाइजेशन से इतनी सुविधाएं प्राप्त हो रही है तो, वही खातों से हजारों लाखों रुपए उड़ जाने और अकाउंट हैंग करने की अनेक खबरें हम प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से और प्रत्यक्ष रूप से अपने आसपास देख चुके हैं। टेक्नोलॉजी के फायदे तो बहुत हैं पर नुकसान की भी संभावनाएं बहुत रहती है। नजर हटी दुर्घटना घटी, थोड़ी सी भी चूक हुई याने हजारों लाखों रुपए अकाउंट से गायब। अब सवाल उठ जाता है कि यह चूक किससे हुई साफ जाहिर है कि,वित्तीय संस्थाएं ग्राहकों पर और ग्राहक वित्तीय संस्थाओं पर दोष मढ़ते हैं,और मामला अदालतों की और उपभोक्ता न्यायालयों की चौखट पर पहुंच जाता है... ऐसा ही एक मामला सोमवार दिनांक 21 दिसंबर 2020 को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग नई दिल्ली की कोर्ट में रिवीजन पिटिशन क्रमांक 3333/2013 जो 9 अप्रैल 2013 के महाराष्ट्र राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग से अपील क्रमांक 99/2011 से उदय हुआ था। एचडीएफसी बैंक बनाम ग्राहक जो कि सिंगल बेंच माननीय प्रेसिडिंग मेंबर श्री सी विश्वनाथ के सम्मुख आया और माननीय सिंगल बेंच ने अपने 6 पृष्ठों और 16 पॉइंटों के आदेश में कहा कि किसी व्यक्ति के बैंक खाते से पैसे निकालने के लिए धोखाधड़ी से किए गए लेनदेन के मामले में, संबंधित बैंक नुकसान के लिए जिम्मेदार होगा ग्राहक नहीं, अगर यह साबित नहीं होता है कि धोखाधड़ी का लेन-देन खाताधारक की गलती के कारण हुआ था।प्रसीडेंट मेंबर की बेंच द्वारा यह फैसला दिया गया है, जिन्होंने कहा है कि आज के डिजिटल युग में क्रेडिट कार्ड को हैक करने या उसके जाली होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। एनसीडीआरसी ने कहा कि ऐसे मामले में जहां बैंक यह साबित करने में असमर्थ रहा है कि खाता धारक की गलती के कारण फर्जी लेन-देन हुए हैं,उदाहरण के लिए क्रेडिट कार्ड का खो जाना आदि तो बैंक को अनधिकृत लेनदेन के लिए उत्तरदायी बनाया जाएगा क्योंकि इस तरह के मामलों में यह माना जाता है कि इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग प्रणाली में एक सुरक्षा चूक थी, जिसके कारण यह लेनदेन हुआ था। आयोग ने कहा कि, बैंक ग्राहकों के प्रति अपनी देनदारी से बाहर निकलने के लिए मनमाने नियम और शर्तों पर भरोसा नहीं कर सकता है और इस तरह के नियम और शर्तें भी आरबीआई द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुरूप होनी चाहिए जो बैंकिंग सिस्टम को सुरक्षित रखने और चेक और बैलेंस बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है।पृष्ठभूमि वर्तमान मामले में,आयोग एचडीएफसी बैंक द्वारा राज्य आयोग के फैसले के खिलाफ दायर रिवीजन पैटिशन पर सुनवाई कर रहा था,राज्य आयोग ने बैंक की अपील को खारिज कर दिया था और उस आदेश को सही ठहराया था,जिसमें बैंक को निर्देश दिया गया था कि वह ग्राहक के खाते से धोखाधड़ी से हुए लेनदेन की भरपाई करें शिकायतकर्ता-ग्राहक ने कहा था कि विवादित लेन-देन होने के समय क्रेडिट कार्ड उसके पास ही था।

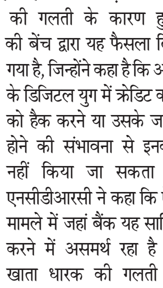

संकलनकर्ता कर विषेशज्ञ एड किशन भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

हृदय परिवर्तन का नाम है पिच्छी परिवर्तन - आचार्य विमदसागर

रतलाम। जिन्होंने पिच्छि को हाथ में ग्रहण किया है, धारण किया है उन्होंने तीर्थंकर भगवान की धर्म ध्वजा को अपने हाथों में लिया है। जिस प्रकार से तीर्थंकर भगवान के समोसरण में रहने वालों को भूख-प्यास नहीं लगती है, समोसारण में दिन-रात का भेद नहीं होता वहां पर सभी को समान शरण मिलती है, उसी प्रकार जिनके हाथ में पिच्छिका है उनके चरणों में सभी को शरण मिलती है। दुख से दुखी हुए व्यक्ति को सुख की प्राप्ति होती है। पिच्छी की छाया में रहने वालों को कभी भूखा नहीं सोना पड़ता है। पिच्छि कल्पवृक्ष के समान है, जहां पर होती है वहां पर व्यक्ति दुखी कैसे हो सकता है। ये उद्गार व्यक्त किये रतलाम दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में पिछले रविवार को श्रमणचार्य श्री विमदसागर जी मुनिराज ससंघ के पिच्छि परिवर्तन समारोह के अवसर पर उन्होंने व्यक्त किये। आचार्यश्री ने आगे कहा कि कई आदमी रोटी के चक्कर लगाते हैं कि उन्हें रोटी मिल जाये और जिनके हाथ में पिच्छि होती है रोटी उनके चक्कर लगाती है। श्रावक सौभाग्य मानते हैं कि पिच्छिधारी मुनिराज को उन्हें आहार देने का अवसर मिला। पिच्छि में 12 गुच्छक होते हैं, जिससे बारह भावना का चिंतन होता है, श्रावक के 12 व्रत का चिंतन होता है और 12 प्रकार के तप होते हैं। पिच्छि को देखकर विचार आता है कि हमें भी 12 व्रतों को पालना चाहिए। मुनिजन अपनी साधना को बढ़ाते हैं। मुनिराज विचार करते हैं कि मैंने यह संयम का उपकरण हाथ में लिया है और उस संयम का मुझे पालन करना है। संयम में कहीं कमी न आ जाए पिच्छि को देख कर एकाग्रता बनी रहती है। जैसे भजन की लाइन है, 'तेरी प्रतिमा इतनी सुंदर तू कितना सुंदर होगा।' उसी प्रकार जिनके हाथ में पिच्छिका है उनके लिए गुरुवर ने कहा कि 'तेरी पिच्छि इतनी सुंदर तू कितना सुंदर होगा।' पिच्छि जिसके हाथ में होती है वह मुनी मुनी लगता है। पिच्छि मुनियों की पहचान होती है। पिच्छी संयम का उपकरण है। ज्ञातव्य है कि मुनिराज जब भी बैठते उठते हैं, उस स्थान को पिच्छी से जीव रहित कर लेत हैं। मयूरपंख की पिच्छी के इतने मुलायम रेसे होते है कि सूक्ष्म जीवों को भी अलग करने पर उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचता। शरीर पर, शास्त्र पर, बैठने के स्थान पर, यहां तक कि सोते समय करवट बदलने से पहले शयनस्थान पर भी पिच्छी से सूक्ष्म जीवों को हटा देते हैं। स्थान पर पिच्छी चला देते से जो जीव हमें दिखाई नहीं देते वे भी हट जाते हैं और अज्ञात जीव-हिंसा से भी मुनिराज बच जाते हैं। पिच्छी के बिना मुनिराज तीन हाथ से अधिक नहीं चलते। नमोस्तु-प्रतिनमोस्तु करने के समय भी मुनिराज पिच्छी से एक विशेष स्थिति बनाकर नमन करते हैं। पिच्छी को वर्ष भर उपयोग करते करते इसके पंखाग्र कुछ सख्त हो जाते हैं जिससे जीवों को हटाते समय उन्हें कष्ट पहुंचने की आशंका होती है, इस कारण मुनिराज पिच्छी परिवर्तन करते हैं।

डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज'
22/2, रामगंज, जिंसी, इन्दौर, मो. 9826091247

उदारवाद की- अर्थगुच्छायें

उदारवाद का मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था राजनीति शास्त्र का वह सिद्धांत है जो सामंतवाद के पतन के बाद अस्तित्व में आया। प्रारंभिक दौर में उदारवाद ने व्यक्ति को महत्व देना शुरू किया और उसी को राजनीति के अध्ययन का केंद्र बिंदु बनाकर व्यक्तिवाद को अपना लिया। परंतु बाद में उदारवाद ने समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए बहुलवाद को अपनाया। प्रारंभिक दौर में मुक्त बाजार व्यवस्था को सर्वहित का उपयुक्त साधन मानते हुए राज्य के लिए अहस्तक्षेप की नीति का समर्थन किया परंतु बाद में सर्वहित की बात करते हुए इसी उदारवाद ने कल्याणकारी राज्य के सिद्धांत को अपनाया। उदारवाद शब्द का वास्तविक अर्थ लिब्रलिज्म की व्युत्पत्ति, लैटिन भाषा के लिवर शब्द से हुई जिसका अर्थ स्वतंत्रता होता है अतः उदारवाद मूल रूप से स्वतंत्रता की संकल्पना के साथ जुड़ा हुआ है। स्वतंत्रता की संकल्पना का अर्थ उदार, सहृदय, शालीन, सुसंस्कृत इत्यादि शब्दों के विशेषण से अभिभूत होता है। जो उदारवाद को विशेष गरिमा प्रदान करता है जिसके साथ विशेषण की अनेक अर्थगुच्छायें गुँथी हुई है। उदारवाद शब्द की शब्दावली देखने से पता चलता है कि इसका अर्थ स्वतंत्रता का है परंतु यूरोपीय देशों में उदारवाद ने समय और परिस्थितियों के अनुसार मामा मारीच की तरह कई रूप को धारण किया। इसी उदारवाद ने कभी व्यक्तिवाद के साथ समझौता किया, कभी आदर्शवाद के साथ समझौता, कभी समाजवाद के निकट आया , कभी कल्याणकारी राज्य की बात किया। कुछ भी हो स्वयं उदारवादी परंपरा जितनी पुरानी है उतना पुराना है यह शब्द नहीं है। वस्तुतः उदारवादी परंपरा के जन्म की व्याख्या एक ही प्रकार से दी जा सकती है कि ÷वह इस तरह की इसके जन्म के साथ साथ आर्थिक शक्ति एक वर्ग से निकलकर दूसरे वर्गों के हाथों में चली गई।÷ उदारवाद में राज्य को एक साधन और व्यक्ति को एक साध्य मानते हुए व्यक्तिवाद को बढ़ावा दिया। उदारवाद ने अपने इस नैतिक चेहरे को अमलीजामा पहनाने के लिए विश्व की कई विचारधाराओं के साथ संबंध स्थापित किए इसी क्रम में सर्वप्रथम इंग्लैंड के प्रसिद्ध विचारक टामस हाब्स का नाम आता है। जितने उदारवाद की राजनीतिक चिंतन को नई दिशा देने का प्रयास किया। हाब्स के समय इंग्लैंड में राजमुकुट और संसद के परमाधिकारों के प्रश्न पर निरंतर संघर्ष चल रहा था इसी संघर्ष में उलझा हुआ यह इंग्लैंड का प्रसिद्ध दार्शनिक उदारवाद कि कोई यथेष्ठ परिभाषा नहीं दे सका। इसी क्रम में जान लॉक और रूसो प्रक्कल्पना भी उदारवाद के साथ जुड़ी रही। वर्तमान समय में उदारवाद ने लोक कल्याणकारी राज्य की बात की परंतु यह बात अब राजनीति शास्त्र के लिए पृथ्वी के गर्भ में छिपे हुए खनिज पदार्थों की तरह है जिसे हम ना तो देख सकते हैं न प्राप्त कर सकते हैं। वस्तुतः स्वतंत्रता तो उदारवाद का परम मूल्य है यह एक मनोवृति है जो कठोरता और लचीलापन का मिश्रण है यह मध्यम मार्गी है। परिस्थितियों के साथ परिवर्तन इसका लक्षण है। उदारवाद आर्थिक स्वतंत्रता पर बल देता है इसी कारण अहस्तक्षेप की मांग करता है इसलिए उदारवाद का गठबंधन अब पूंजीवाद के साथ हो गया, उदारवाद सीमित राज्य की वकालत करते हुए राज्य के कार्यों को सुरक्षा तक ही सीमित कर देता है इस तरह यह पुलिस राज्य से भी जुड़ गया, अब उदारवाद नकारात्मक राज्य की तरफ जाता है इसलिए यह नकारात्मक स्वतंत्रता, नकारात्मक समानता, प्रक्रियात्मक न्याय का समर्थन करता है। मुक्त विनिमय पर आधारित बाजार व्यवस्था का समर्थक है। व्यक्ति की समानता में विश्वास रखने के कारण उदारवाद प्रजातंत्र से भी गठजोड़ कर लेता है। समानता में विश्वास रखने के कारण यह समाजवाद से भी गठजोड़ करता है। विश्व की कई विचारधाराओं के साथ संबंध रखने के कारण उदारवाद की कोई मूल परिभाषा नहीं रह गई उदारवाद विचारों का दलाल बन गया।

सत्य प्रकाश सिंह

योग-हस्त-मुद्राशास्त्रः अपान मुद्रा

मुद्राओं का जीवन में बहुत महत्व है। मुद्रा दो तरह की होती है पहली जिसे आसन के रूप में किया जाता है और दूसरी हस्त मुद्राएं होती हैं। मुद्राओं से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ प्राप्त किया जा सकता है। मुद्रा अर्थात् स्थिति आकार। हस्तमुद्रा अर्थात् हाथों की स्थिति आकार। हस्त मुद्राओं से अनेक फायदे हैं किन्तु जब कोई इनसे पहले से भिज्ञ नहीं होता तो इसे फिजूल की बकवास भी कह सकता है। लेकिन दो बातें ज्यादातर लोगों ने सुन रखीं होती हैं। एक तो तर्जनी उंगली से बहुत ऊर्जा निकलती है। उंगली से दातों में मंजन करने या मसूढ़ों की मालिस करने के लिए कहते हैं कि तर्जनी अंगुली से नहीं करना चाहिए, कारण क्या है? ज्यादातर लोग नहीं बता पाते। दूसरा अपने बगीचे आदि में जब छोटा सा फल या सब्जी गिलकी-खीरा आदि को बच्चों को दिखाते हैं तब कहते हैं कि उसे उंगली दिखाकर मत बताना, उंगली दिखाने से गिलकी-खीरा आदि का बहुत खिच्चा, जउआ-छोटा सा फल-सब्जी मर जाएगा, सूख जाएगा। बड़े-बुजुर्गों को ये अनुभव होते हैं, यह क्यों होता है, वे नहीं जानते। किन्तु इन सब प्रश्नों का राज हस्तमुद्रा योग में छिपा है। इन मुद्राओं द्वारा उसी दिपी हुई ऊर्जा का सदुपयोग कर विभिन्न रोगों से मुक्त हो सकते हैं।

5. अपान मुद्रा- अपान मुद्रा अशुचि और गन्दगी का शोधन करती है। जैसे अर्जन जीवन के लिए जरूरी है, वैसे ही विर्सजन भी जीवन के लिए अनिर्वाय है। शरीर में केवल अर्जन की ही प्रणाली हो, विर्सजन के लिए कोई अवकाश न हो तो व्यक्ति का एक दिन भी जिंदा रहना मुश्किल हो जाता है। विर्सजन के माध्यम से शरीर अपना शोधन करता है। शरीर विर्सजन की क्रिया यदि एक, दो या तीन दिन बन्द रखे तो पूरा शरीर मलागार हो जाए। ऐसी स्थिति में मनुष्य का स्वस्थ्य रहना मुश्किल हो जाता है। लेकिन यह ध्यान रखें की अपान मुद्रा नौसिखिए लोगों के लिए नहीं हैं, क्योंकि योग व प्राणायाम कर पहले शारीरिक कमियों को दूर करने के बाद जब आप तमाम आसन व योग मुद्राओं में परिपक्व हो जाते हैं, तो इस मुद्रा की ओर रुख करना चाहिए। अपान मुद्रा को मानसिक शक्ति के बल पर किया जाए, तो इसके अपार फायदे मिलते हैं।

मुद्राविधि, समय व अवधि- मैदान या फिर कुर्सी पर आराम की मुद्रा में बैठे। आप चाहें तो आसन ग्रहण भी कर सकते हैं। सुखासन या अन्य किसी आसान में बैठ जाएँ, अपने दोनों हाथों को बाहर की ओर निकालते हुए उन्हें अपनी जांघ पर रखें, वहीं हाथ आकाश की ओर हो यह ध्यान रखें। रीढ़ की हड्डी सीधी रखें। मध्यमा (बीच की अंगुली) एवं अनामिका (रिंग फिंगर) अंगुली के ऊपरी पोर को अंगूठे के ऊपरी पोर से स्पर्श कराके हल्का सा दबाएं। तर्जनी अंगुली एवं कनिष्ठा (सबसे छोटी) अंगुली सीधी रहे तो अपान मुद्रा बनती है। इस आसन को करने के दौरान अपनी आंखों को बंद रखें। धीरे-धीरे कर श्वांस लें और छोड़ें। श्वांस पर ध्यान केंद्रीत करें। आप चाहें, तो अपने आगे कैंडल रखकर उसपर ध्यान केंद्रित करते हुए अपान मुद्रा कर सकते हैं। अपान मुद्रा को प्रातः, दोपहर, सायं 16-16 मिनट करना सर्वोत्तम है।

लाभ- अपान मुद्रा के नियमित अभ्यास से कब्ज, गैस, गुर्दे तथा आंतों से सम्बंधित समस्त रोगों में लाभ मिलता है। इससे बबासीर रोग में चमत्कृत रूप से फायदा होता है। यह मुद्रा मधुमेह के लिए भी लाभकारी है, इसके निरंतर प्रयोग से रक्त में शर्करा का स्तर सन्तुलित होता है। अपान मुद्रा शरीर के मल निष्कासक अंगों - त्वचा, गुर्दे एवं आंतों को सक्रिय करती है जिससे शरीर का बहुत सारा विष पसीना, मूत्र व मल के रूप में बाहर निकल जाता है,

फलस्वरूप शरीर शुद्ध एवं निरोग हो जाता है। अपान मुद्रा से प्राण एवं अपान वायु सन्तुलित होती है। इस मुद्रा में इन दोनों वायु के संयोग के फलस्वरूप साधक का मन एकाग्र होता है। दाँतों के दोष एवं दर्द दूर होते हैं। पसीना लाकर शरीर के ताप को दूर करती है। हृदय शक्तिशाली बनता है।

सावधानियाँ - अपान मुद्रा के अभ्यास काल में मूत्र अधिक मात्रा में आता है, क्योंकि इस मुद्रा के प्रभाव से शरीर के अधिकाधिक मात्रा में विष बाहर निकालने के प्रयास स्वरुप मूत्र ज्यादा आता है, इससे घबड़ाएं नहीं। अपान मुद्रा को दोनों हाथों से करना अधिक लाभदायक है, अतः यथासंभव इस मुद्रा को दोनों हाथों से करना चाहिए। योगा या फिर आसन और मुद्राओं को हम बीमारियों से बचाव के लिए करते हैं। ऐसे में यदि आप किसी प्रकार की बीमारी से ग्रसित हैं, तो इसे नहीं करना चाहिए। वहीं गर्भावस्था के दौरान यदि आपको किसी प्रकार की परेशानी है, तो उस अवस्था में भी आपको अपान मुद्रा को नहीं करना चाहिए। इस मुद्रा का प्रयोग करने पर जल, फल, फलों का रस, घी और दूध का सेवन अधिक मात्रा में करें । इस मुद्रा को अधिक लम्बे समय तक न करें । इस आसन को सभी उम्र के लोग परफॉर्म कर स्वास्थ्य लाभ उठा सकते हैं। लेकिन इसे करने के लिए सालों का अभ्यास चाहिए होता है। इसलिए जरूरी है कि बिना विशेषज्ञ की सलाह और उनके मार्गदर्शन के इसे नहीं करना चाहिए। वहीं यदि आप नियमित तौर पर योगाभ्यास करते हैं और आपको किसी प्रकार की बीमारी नहीं है तो उस स्थिति में आप अपान मुद्रा को कर इसके फायदों को उठा सकते हैं।

डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज'

विधा- कविता, शीर्षक प्यार का एहसास

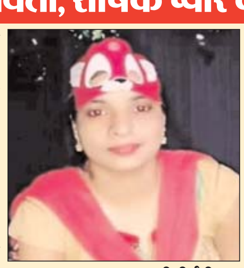

आंखों में चाहत हो तेरे, दिल धड़के बस नाम से मेरे।
प्यार का बन जाना एहसास, रहना हरदम दिल के पास।
दूर रहो या पास रहो तुम, मेरे दिल की आस रहो तुम।
रंग भरे जीवन में मेरे, सतरंगी एहसास बनो तुम।
तुझ पर अपना जीवन खोकर, सीप के मोती जैसी होकर।
जीवन का बढ़े मान हमारे, रहूं हमेशा तेरी होकर।
मुझसे दूर कभी ना जाना, लिखना तुम दिल का अफसाना।
कभी दूरियां ना हो दिल में, प्यार का ऐसा ताना-बाना।
÷रीत÷ के दिल के मीत बनो तुम, प्यार की ऐसी रीत बनो तुम।
रहे सुहाना सफर हमारा, ऐसा जीवनमीत बनो तुम।

स्वरचित, अप्रकाशित एवं मौलिक रचना
सर्वाधिकार सुरक्षित
लेखिका/ रचनाकार- रीता तिवारी रीत
शिक्षा- एमए समाजशास्त्र, बी एड, सीटीईटी उत्तीर्ण
संप्रति- अध्यापिका, स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री
पिता का नाम- श्री अवधेश तिवारी
मऊ, उत्तर प्रदेश से

दैनिक पुष्पांजली टुडे

दीपिका पादुकोण ने बताया परिवार में कौन है सबसे करीब

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एएमए सेशन किया। इस दौरान उन्होंने फैन्स के सभी सवालों के जवाब दिए। इसके साथ ही दीपिका ने अपने बचपन की फोटो शेयर की जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है। सेशन के दौरान उनसे पूछा गया कि वह किससे सबसे ज्यादा किसके करीब हैं, तो उन्होंने पति रणवीर सिंह और छोटी बहन अनीशा की फोटो शेयर कर जवाब दिया। एक फोटो में अनीशा, दीपिका को हग करती नजर आ रही हैं तो दूसरी फोटो में वह रणवीर सिंह के गाल पर किस करती दिख रही हैं। जब दीपिका से पूछा गया कि वह कैमरे के सामने पहले बार कब आई थीं, तो उन्होंने अपने बचपन की एक फोटो साझा की जिसमें वह चार साल की उम्र में बेबी साइकल पर बैठी हुई दिख रही हैं। इसके बाद उनसे पूछा गया कि फिल्म पीकू में उनसे फेवरेट मोमेंट कौन सा था तो उन्होंने जवाब में इरफान खान के साथ अपनी एक फोटो शेयर की। बताते चलें कि हाल ही में दीपिका ने अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस मौके पर पति रणवीर सिंह ने उन्हें खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने पहले तो दीपिका पादुकोण के बचपन की एक तस्वीर शेयर की। इसके बाद उन्होंने दीपिका संग एक रोमांटिक फोटो पोस्ट की। पहली फोटो में रणवीर लिखते हैं, "मेरी जान, मेरी जिंदगी, मेरी गुड़िया, हैप्पी बर्थडे, दीपिका पादुकोण।" इसके बाद रोमांटिक फोटो शेयर करते हुए रणवीर ने कैप्शन में लिखा, "बीवी नं 1, दीपिका पादुकोण।"

कौन हैं कागज मूवी में भरत लाल मृतक की पत्नी रुक्मिणी

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस मोनल गज्जर ने फिल्म कागज से बॉलीवुड डेब्यू किया है। फिल्म में उन्होंने पंकज त्रिपाठी के किरदार भरत लाल की पत्नी रुक्मिणी का रोल प्ले किया है, जिसे बहुत पसंद किया गया। मोनल काफी समय से साउथ फिल्मों में एक्टिव हैं। वह बैंक में नौकरी किया करती थी, लेकिन किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। मोनल गुज्जर का जन्म गुजरात के अहमदाबाद में हुआ है। उन्होंने कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया है। मोनल ने शुरूआत में आईएनजी व्यासा बैंक में कुछ समय के लिए नौकरी भी की है। योगा टीजर की सलाह पर मोनल ने मिर्ची क्वीन ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लिया और जीत हासिल की। इसके बाद वह मिस गुजरात का खिताब भी अपने नाम किया। इसके बाद मोनल को साउथ फिल्मों के ऑफर मिलने शुरू हो गए। उन्होंने साल 2012 में फिल्म रश्रॅ४ से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इस फिल्म के लिए वह रक्टटअ अवॉर्ड के बेस्ट फीमल डेब्यूडेंट के लिए नॉमिनेट भी हुई थीं। इसके बाद मोनल मलयालम फिल्म ड्रैकुला में नजर आईं। मोनल आशा भोंसले की फिल्म माई में स्पेशल अपीयरेंस भी दे चुकी हैं। फिल्म ऱ्रें ळॅर४ में उनके काम की खूब तारीफ हुई। सितंबर में उन्होंने बिग बॉस के तेलुगू वर्जन में एंट्री मारी और खूब पॉप्युलैरिटी हासिल की। हालांकि, वह पिछले साल दिसंबर में शो से बाहर हो गईं। बता दें कि पंकज त्रिपाठी और मोनल गज्जर की फिल्म कागज जी 5 पर रिलीज हो चुकी है। सतीश कौशिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पंकज और मोनल के अलावा मीता वशिष्ठ, अमर उपाध्याय, नेहा चौहान, संदीपा धर, ब्रिजेंद्र काला जैसे सितारों ने काम किया है। सतीश कौशिक ने डायरेक्शन के अलावा फिल्म में एक्टिंग भी की है। सतीश कौशिक की यह फिल्म मुख्य तौर पर लाल बिहारी मृतक नाम के एक व्यक्ति के जीवन पर आधारित है जिन्होंने 18 साल के लंबे संघर्ष के बाद खुद को जीवित साबित किया था। ऐसा भी कह सकते हैं कि यह फिल्म किसी सरकारी कागज की अहमियत बताने वाली सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

लोगों की नजर में रहने में कोई परेशानी नहीं: वरुण

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन का कहना है कि उन्हें लगता है कि वो हमेशा लोगों की नजर में रहते हैं और इसके लिए उन्हें कोई परेशानी नहीं। जब उनसे पूछा गया कि इससे उन्हें कोई परेशानी तो नहीं है। इस पर वरुण ने कहा कि हां, (यह मुश्किल हो जाता है), लेकिन यह जिंदगी का एक हिस्सा है। आपको पता है कि आप क्या करने जा रहे हैं। आप ऐसा व्यवहार नहीं कर सकते हैं, कि ओह! आपने इसके लिए साइन अप नहीं किया। उन्होंने कहा कि 'मेरा मतलब है कि आप जानते हैं कि यह होने जा रहा है। इसलिए मैंने इसे जिंदगी का हिस्सा बना लिया है।' बता दें कि हाल ही में अभिनेता करे उनके पिता डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म कुली नंबर 1 में देखा गया है। यह फिल्म इसी नाम की 1995 में बनी एक हिट फिल्म की रिमेक है। वरुण धवन के साथ फिल्म में उनकी सह-कलाकार सारा अली खान, शिखा तलसानिया, परेश रावल और राजपाल यादव भी हैं।

रजित और नीना फिर एक साथ

बॉलीवुड अभिनेता रजित कपूर और नीना गुप्ता एक बार फिर स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाल हैं। पुशान कृपलानी की फिल्म 'गोल्डफिश' में तीसरी बार दोनों एक साथ नजर आने वाले हैं। अपने प्रभावशाली अभिनय से जाने जाने वाले दोनो एक्टर 1992 में पहली बार श्याम बेनेगल की फिल्म सूरज का सातवा घोड़ा में साथ काम किया। इसके बाद 2015 की फिल्म द थ्रेशोल्ड में 23 साल बाद एक साथ नजर आए थे। इस बारे में रजित ने कहा कि नीना और मेरे बीच विश्वास अभी भी बना हुआ है। इतने लंबे समय के बाद एक बाद फिर साथ मिलकर कुछ अच्छा बनाएंगे। द थ्रेशोल्ड की यात्रा ने हमें और करीब ला दिया, भले ही हम एक साथ महीनों तक एक-दूसरे से बात न करें, पर जब भी बात करते हैं, तो वहीं से शुरू करते हैं, जहां छोड़ी थी।' कहा जा रहा है कि फिल्म 'गोल्डफिश' में दोनों एक-दूसरे में फिर से करीबी बढ़ सकती है।

हेलमेट के टाइटल का खुलासा

अभिनेता अपारशक्ति खुराना की बतौर लीड हीरो पहली फिल्म 'हेलमेट' रिलीज होने वाली है। उन्होंने इस फिल्म के इस टाइटल का खुलासा किया है। अपारशक्ति ने बताया कि हेलमेट शब्द का इस्तेमाल कंडोम के लिए किया गया है। यह फिल्म कंडोम के बारे में है और इस समय के बारे में है कि लोगों के लिए आज भी मेडिकल स्टोर पर कंडोम का पैकेट मांगना कितना अजीब लगता है। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े शहरों में भी। उन्होंने आगे कहा कि यह एक स्थिति पर आधारित कॉमिडी फिल्म है, लेकिन ऐसा नहीं है कि पूरी फिल्म में लोग कंडोम के बारे में ही बात करते रहेंगे! बता दें कि इस कॉमिडी फिल्म को सतराम रमानी द्वारा निर्देशित किया गया है। यह फिल्म देश के प्रमुख हिस्सों की उस जमीनी हकीकत को दशार्ती है, जहां सेक्स के लिए सुरक्षा के बारे में बात करना अजीब है। इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी और आशीष वर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

दिशा पाटनी ने महंगी गाड़ी छोड़ रिक्शा में की सवारी

हाल ही में फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी वर्सोवा में एक ऐड की शूटिंग कर रही थी' शूटिंग पूरी होने के बाद उन्होंने अपनी महंगी गाड़ी को छोड़ एक रिक्शा से यात्रा की है' बॉलीवुड के कई कलाकार रिक्शा में सवारी करते हुए नजर आए हैं' वह अपनी महंगी कार को छोड़ रिक्शा में सफर करना पसंद करते हैं' फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी को भी हाल ही में पपराजी ने वर्सोवा में शूटिंग पूरी करने के बाद अपनी महंगी गाड़ी छोड़ रिक्शा में सवारी करते पाया' दिशा पाटनी ऐड शूट करने के लिए निकली थी' शूटिंग पूरी करने के बाद उन्होंने ऑटो रिक्शा की सवारी की' उन्हें ऑटो रिक्शा में बैठा देख फोटोग्राफर्स ने जमकर फोटोबाजी की' फोटो में दिशा पाटनी को ब्लैक कलर का टॉप और ट्राउजर पहने देखा जा सकता है' साथ ही उनके बाल खुले हुए हैं और उन्होंने फेस मास्क पहन रखा है' कुछ समय पहले सनी लियोनी ने भी रिक्शा की सवारी की थी' सनी लियोनी के अनुसार रिक्शा सबसे बढ़िया ट्रांसपोर्टेशन का माध्यम है' दिशा हाल ही में मालदीव में वर्ष 2021 का स्वागत करने पहुंची थी' वह अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड टाइगर श्रॉफ के साथ मालदीव में नजर आई थी' उन्होंने कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जोकि वायरल भी हुई थी' दिशा पाटनी जल्द फिल्म राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई में सलमान खान के साथ नजर आएंगी' इस फिल्म में जैकी श्रॉफ और रणदीप हुड्डा की भी अहम भूमिका है' दिशा पाटनी फिल्म अभिनेत्री है' वह सोशल मीडिया पर भी बहुत लोकप्रिय है' उनकी फोटो और वीडियो जमकर वायरल होती है' दिशा पाटनी की तस्वीरें काफी बोल्ड और ग्लैमरस होती हैं' दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ के बीच अफेयर की खबरें लंबे समय से बॉलीवुड की गलियारों में हैं' हालांकि दोनों ने अभीतक अपने रिश्ते को सार्वजनिक नहीं किया हैं' दोनों की फिल्में भी काफी पसंद की जाती है'

जल्द ही डिजिटल डेब्यू करेंगे कपिल शर्मा

अभिनेता-कॉमेडियन कपिल शर्मा जल्द डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं। कपिल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करके यह जानकारी दी। फिलहाल अभी उनका डेब्यू प्रोजेक्ट का नाम सामने नहीं आया है। कपिल का कहना है कि मैं नेटफ्लिक्स के साथ पहली बार जुड़ने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। साल 2020 दुनिया भर के लोगों के लिए खासा उतार-चढ़ाव वाला रहा है और मेरा मकसद है कि मैं लोगों को उनकी चिंताओं को भूलकर प्यार, हंसी और सकारात्मकता के साथ इस नए साल का स्वागत करने में मदद करूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं हमेशा से स्ट्रीमिंग क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी के साथ काम करना चाहता था, लेकिन मेरे पास उनका नंबर नहीं था। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के करीब है इसके बारे में ज्यादा बातें अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर पा रहा हूं।

फराह खान ने करण जोहर को शादी के लिए किया था प्रपोज, यह कारण बताकर कर दिया था खारिज

कोरियोग्राफर फराह खान का आज जन्मदिन है' उनके जन्मदिन पर फराह के जीवन से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह है कि एक बार उन्होंने फिल्म निमार्ता और निर्देशक करण जोहर से शादी करने के लिए प्रपोज किया था लेकिन करण जोहर ने 'तकनीकी समस्या' बताकर इसे मना कर दिया था' फराह खान और करण जोहर की दोस्ती लंबे समय से हैं' दोनों 25 वर्षों से ज्यादा समय से एक-दूसरे को जानते हैं' दोनों ने एक दूसरे की फिल्मों में काम भी किया है' एक समय ऐसा था जब फराह खान करण जोहर से शादी करना चाहती थी' फराह खान शनिवार को 56 वर्ष की हो गई है' एक बार उन्होंने करण को शादी का प्रस्ताव दिया था लेकिन करण ने तकनीकी समस्या बताकर प्रस्ताव को खारिज दिया था' इसके बाद फराह खान ने शिरीष कुंदर से शादी कर ली' अब उनके तीन बच्चे हैं' जिनके नाम दीया, अनाया और साइजर है' साजिद खान और रितेश देशमुख शो यादों की बारात होस्ट करते थे' तब करण ने इस शो पर कहा था कि फराह खान उन्हें पसंद करती थी और उन्होंने उन्हें पटाने की बहुत कोशिश की थी' इस पर फराह खान ने भी सहमति जताई। फराह खान और करण कुछ कुछ होता है कि शूटिंग स्कॉटलैंड में कर रहे थे' तब करण जोहर के कमरे में फराह खान रात को पहुंच गई थी' करण जौहर ने इस बारे में बताते हुए कहा था, 'बीच रात को एक लड़की जब किसी लड़के के कमरे में आ जाती है, यह बहाना लेकर कि मेरे कमरे में भूत है' मैं क्या वो हूं जो भूत से राइम करता है'' इसपर फराह खान ने कहा कि वह करण से शादी करना चाहती थी लेकिन है करण ने उनका प्रस्ताव इसलिए ठुकरा दिया क्योंकि उनमें तकनीकी समस्या थी' फराह खान फिल्म निर्देशक है और वह कई फिल्मों का निर्देशन कर चुकी हैं'

| बर्ड फ्लू : मयूर विहार में हो चुकी है 200 से ज्यादा कौवों की मौत |

दिल्लीः अब संजय झील और जसोला पार्क में मृत मिले बत्तख और कौवे

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

देश के कई राज्यों में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद अब दिल्ली और छत्तीसगढ़ में भी इसके फैलने का खतरा मंडरा रहा है। दिल्ली मयूर विहार फेज 3 पार्क और हस्तसाल इलाके के डीडीए पार्क में कई पक्षी और कौवों के मरने की खबर के बाद अब संजय झील में भी बत्तखों के मरने की बात सामने आ रही है। संजय झील में शनिवार को 10 बत्तख मृत पाई गईं हैं। वहीं जसोला पार्क में भी करीब 26 कौवों के मृत पाए जाने की खबर है। इस सूचना के बाद वेटनरी डॉक्टर्स की टीम सैंपल लेने के लिए संजय झील और जसोला पार्क पहुंची और सैंपल को जांच के लिए भेज रही है।

पशु पालन विभाग अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि हमने मृत पक्षियों के सैंपल ले लिए जिसे लैब में जांच के लिए भेजेंगे। हमारे स्टाफ पीपीई किट पहनकर ही पक्षियों को दफनाते हैं। हम उस स्थल पर तुरंत पहुंचते हैं जहां समस्या आती है। गौरतलब है कि आधिकारिक आंकड़ों में तो मयूर विहार में 20 कौवे मरे हैं लेकिन स्थानीय निवासियों के अनुसार यह संख्या 200 के पार पहुंच चुकी है।

एक सप्ताह से मर रहे थे कौवे, शुक्रवार को पहुंची विशेषज्ञों की टीम

मयूर विहार के सेंट्रल पार्क में मृत कौवों के मिलने की घटना में लापरवाही का मामला भी सामने आया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कौवों के मरने की घटना पिछले एक सप्ताह से हो रही है। इसकी शिकायत भी स्थानीय प्रशासन से आम लोगों ने की थी। बावजूद इसके अधिकारी शुक्रवार को मौके पर पहुंच सके। दूसरी तरफ कौवों की मौत व बर्ड फ्लू की आशंका के बीच शुक्रवार को गाजीपुर मंडी में भी निगरानी के लिए पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। कमेटी बाजार में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखेगी। मयूर विहार फेज-तीन में स्थानीय लोगों ने बताया कि पार्क में कौवों की संख्या अधिक होने के कारण इस पार्क को कौवा वाला पार्क कहा जाता है। पिछले एक सप्ताह से पार्क में कौवे की मौतें हो रही हैं। इससे लोगों ने बर्ड फ्लू फैलने की आंशका जताई। इसे देखते हुए पार्क को करीब एक सप्ताह पहले ही बंद कर दिया गया। रोजाना सैर करने वाले वाले इस वक्त पार्क में नहीं आते हैं। स्थानीय निवासी मयंक श्रीवास्तव के अनुसार, प्रतिदिन सुबह यहां मृत कौवे मिल रहे हैं।।

गाजीपुर मंडी में निगरानी के लिए कमेटी का गठन

मयूर विहार की घटना को देखते हुए गाजीपुर मंडी में एहतियातन पांच सदस्यीय निगरानी कमेटी गठन किया गया है। इसमें पॉल्ट्री मार्केट एसोसिएशन के पांच लोग शामिल हैं। कमेटी ने शुक्रवार से अपना काम भी शुरू कर दिया है। मार्केट एसोसिएशन के महासचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि घटना को देखते हुए एसोसिएशन ने अपने स्तर पर कमेटी का गठन किया है। अब मार्केट में कमेटी के सदस्य घूमकर कड़ी निगरानी रखेंगे और जिस पक्षी में बीमार होने के लक्षण पाए जाएंगे। मौके पर डॉक्टर को बुलाकर जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को भी करीब 20 पक्षियों की सैंपलिंग की गई है। सैंपल को जालंधर भेजा गया है। अब तक की गई सिंपली का नतीजा सोमवार तक आने की संभावना है। इसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। मयूर विहार के मामले को देखते हुए दिल्ली चिड़ियाघर में भी अलर्ट है। विशेषकर पक्षियों के तालाब के आसपास कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है। चिड़ियाघर के एक अधिकारी के अनुसार, चिड़ियाघर में अभी तक किसी पक्षी में बर्ड फ्लू के लक्षण नहीं मिले हैं। वहीं, विशेषकर प्रवासी पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

निगम पार्षद को एक दिन पहले मिली सूचना

स्थानीय पार्षद जुगनू चौधरी का कहना है कि उनको एक दिन पहले बृहस्पतिवार रात में कौवों की मौत की सूचना मिली थी। इसके बाद अगले दिन शुक्रवार की सुबह डॉक्टरों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मृत कौवों को सैंपलिंग के लिए भिजवा दिया गया है। जबकि पार्क में लोगों का प्रवेश भी वर्जित है।पार्क में कौवों के मृत मिलने के बाद पार्क के आसपास के इलाके में भय का माहौल है। पार्क के इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों में बर्ड फ्लू का भय बना हुआ है। स्थानीय निवासी राहुल चौधरी के मुताबिक, वह पहले प्रतिदिन पार्क में घूमने पहुंचते थे, लेकिन इस घटना के बाद से उनके मन में भय बैठ गया है। यही वजह है कि पिछले तीन-चार दिनों से वह पार्क में नहीं आ रहे हैं। वहीं, पार्क के बाहर भी पटरी किनारे दुकान लगाने वाले दुकानदारों में भी भय का माहौल है। स्थानीय दुकानदार प्रवीण के मुताबिक, वह काफी समय से पार्क के बाहर ठेला लगा रहे हैं, लेकिन इस घटना के बाद से उनके मन में भी बर्ड फ्लू भय बन चुका है।

लखनऊः गैंगवार के बाद 11 थाना प्रभारी समेत 41 इंस्पेक्टर हटाए गए

लखनऊ ■ एजेंसी

लखनऊ के विभूतिखंड में कठौता पुलिस चौकी के सामने बुधवार रात गैंगवार को लेकर शासन की नाराजगी पर शहर के 11 थाना प्रभारी समेत 41 इंस्पेक्टर हटा दिए गए। एक साथ 11 थाना प्रभारियों को हटाने से स्थानीय पुलिसकर्मियों में हड़कंप की स्थिति है। हालांकि इस कार्रवाई पर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि काम नहीं करने वालों को हटाया गया है।

डीजीपी मुख्यालय ने तबादलों की सूची जारी कर दी। हटाये गए थाना प्रभारियों में सरोजनीनगर, नाका, ठाकुरगंज, गुडंबा, गोसाईंगंज, सुशांत गोल्फ सिटी, पारा, काकोरी और इंदिरानगर शामिल हैं। मऊ के मोहम्मदाबाद गोहना ब्लॉक के पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख की हत्या की हत्या की घटना से नाराज डीजीपी ने बृहस्पतिवार को बैठक में अफसरों को फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा था, लखनऊ में खुफिया तंत्र नाकाम है। लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बेहद खराब है। इसके बाद पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ने लखनऊ में ऐसे इंस्पेक्टरों की सूची बनाई जो अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से नहीं निभा रहे थे। इनमें कई ऐसे थानेदार रहे जो वारदातों का खुलासा नहीं कर सके। जिन थाना प्रभारियों के तबादले दूसरे जोन में किए गए हैं उनमें सरोजनी नगर थाने के इंस्पेक्टर आनंद कुमार शाही को आगरा जोन, नाका के प्रभारी निरीक्षक सुजीत कुमार दुबे को प्रयागराज जोन, ठाकुरगंज के थाना प्रभारी राज कुमार को आगरा जोन स्थानांतरित कर दिया गया है।

इन थाना प्रभारियों पर भी गिरी गाज

इसके अलावा सआदतगंज थाने के प्रभारी महेश पाल सिंह को वाराणसी जोन, गुडंबा थाने के प्रभारी रितेंद्र प्रताप सिंह को बरेली जोन, इंदिरानगर के थाना प्रभारी क्षितिज त्रिपाठी को वाराणसी जोन, काकोरी थाने के प्रभारी प्रमेंद्र कुमार सिंह को वाराणसी जोन भेजा गया है। वहीं, पारा के प्रभारी निरीक्षक त्रिलोकी सिंह को आगरा जोन, गोसाईंगंज के थाना प्रभारी धीरेंद्र प्रताप कुशवाहा को आगरा जोन, नगराम के थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार सोनकर को प्रयागराज जोन, गोल्फ सिटी थाने के प्रभारी सचिन कुमार सिंह को कानपुर जोन, मानकनगर के थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार को प्रयागराज जोन भेजा गया है। हाल ही हजरतगंज थाने से हटाए गए अंजनी कुमार पांडेय को वाराणसी जोन, पीजीआई थाने से हटाए गए कण्य कुमार मिश्रा को कानपुर जोन और विभूतिखंड से हटाए गए संजय शुक्ला को वाराणसी जोन स्थानांतरित कर दिया गया है।

न्यूज. ब्रीफ

बीच सड़क पर रेता 10 साल के चचेरे भाई का गला, वीडियो बनाते रहे लोग

सीकर। राजस्थान के सीकर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक युवक ने अपने दस साल के चचेरे भाई की ब्लेड से गला रेत कर हत्या कर दी। यही नहीं युवक ने हत्या का लाइव वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे युवक बच्चे को गर्दन से पकड़कर उसका गला काट देता था। इस वीडियो का सबसे दर्दनाक मंजर यह था कि 10 साल का उत्तम दस मिनट तक सड़क पर तड़पता रहा और भीड़ उसे अस्पताल ले जाने की बजाय वीडियो बनाती रही। जानकारी के मुताबिक कैलाश चंद रैगर ने उत्तम की हत्या करने का प्लान दिन में ही बना लिया था और एक दुकान से दो ब्लेड खरीद लिए थे। इसके बाद कैलाश ने अपने चचेरे भाई उत्तम और उसके छोटे भाई को पोषाहार दिलाने के बहाने अपने साथ ले आया। दोपहर करीब डेढ़ बजे कैलाश ने उत्तम को घर के पास पकड़ लिया, ये देखकर उसका छोटा भाई भाग गया। इसके बाद कैलाश ने ब्लेड निकाला और उसका गला काट दिया, जिसके बाद उत्तम नीचे गिर गया।

मुरादनगर हादसे की जांच कर रही एसआईटी टीम की गाड़ी हादसे का शिकार

मुरादनगर। मुरादनगर श्मशान घाट हादसे की जांच के लिए गठित एसआईटी टीम की कार आज हादसे का शिकार हो गई। एसआईटी टीम की गाड़ी को एक रोडवेज बस ने मुरादनगर में टक्कर मार दी। हालांकि बहुत ही मामूली टक्कर होने के कारण किसी व्यक्ति को खरोंच तक नहीं आई है। जानकारी के अनुसार रोडवेज बस ने एसआईटी टीम की गाड़ी में टक्कर मार दी थी जिससे उसमें डेंट आ गया। हादसे के बाद दोनों पक्षों में बहस होने लगी लेकिन फिर बाद में मामूली टक्कर के कारण इस मामले को रफा-दफा कर दिया गया और दोनों पक्ष घटनास्थल से चले गए। गत रविवार को मुरादनगर श्मशान घाट में गलियारे की छत भरभराकर गिर गई थी। हादसे में 24 लोगों की मौत हो गई थी।

बुलंदशहर शराब कांडः गांव में एक साथ जलीं पांच चिताएं, सिहर उठे लोग

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के सिकंदराबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव जीतगढ़ी में एक साथ पांच चिताओं के जलने से गांव के लोग सिहर उठे। एक साथ पांच मौतों से हर आंख नम थी। वहीं, गांव में पूरी तरह से शोक छाया हुआ था। सभी चेहरों पर गम और गुस्सा साफ झलक रहा था। ग्राम जीतगढ़ी निवासी सुखपाल, सतीश, कलुआ, सरजीत, पन्नालाल की मौत से पूरा गांव शोक में डूब गया। शाम करीब पांच बजे पोस्टमार्टम के बाद सभी मृतकों के शव गांव में पहुंचे। शवों के गांव में पहुंचते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मृतकों के घर पर पहुंच गए। गांव में एक साथ पांच शवों के पहुंचने से ग्रामीण सिहर उठे। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जहां अपने को खोने के गम में मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। वहीं गांव के हर एक सदस्य की आंख नम थी। पूरे गांव में मायूसी छाई हुई थी। हर ओर मौत का सन्नाटा था।

ट्रंप प्रशासन के आदेशों की करेंगे समीक्षा लाएंगे आव्रजन संबंधी बिलः बाइडन

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के नव- निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह पद संभालने के तत्काल ट्रंप प्रशासन की नीतियों को पटलते हुए एक आव्रजन संबंधी विधेयक लेकर आएंगे। बाइडन ने कहा कि वह पर्यावरण के मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन के आदेशों की भी समीक्षा करेंगे। बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा एच 1बी वीजा सहित दूसरे वर्क वीजा पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए जाने से भारतीय आइटी प्रोफेशनल्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अपने गृह प्रांत डेलावेयर के विलमिंगटन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं तत्काल आव्रजन संबंधी बिल लेकर आऊंगा। इसे विचार-विमर्श के लिए उचित समितियों के पास भेजा गया है।' दरअसल, बाइडन से पूछा गया था कि वह 20 जनवरी को पदभार संभालने के बाद सबसे पहले क्या काम करेंगे, जिसके जवाब में उन्होंने यह बात कही। इससे पहले भी बाइडन ने वादा किया था कि वह पद संभालने के बाद 100 दिन के अंदर आव्रजन संबंधी प्रणाली में सुधार करेंगे।

ट्रंप की आव्रजन नीतियों को पलटना बाइडन के मुख्य चुनावी वादों में से एक है। ट्रंप प्रशासन शुरू से ही सीमित आव्रजन पर काम करता रहा है। ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही सात मुस्लिम-बहुल देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया था। ट्रंप के कार्यकाल के अंत में भी ऐसा ही चलता रहा और व्हाइट हाउस ने कोरोना महामारी को ढाल बनाकर आव्रजन पर पाबंदी लगाने की बात कही थी। ट्रंप सरकार ने अमेरिका में शरण लेने की अनुमति देने वाले आव्रजन नियमों को सख्त कर दिया था और अमेरिकी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए योग्यता आधारित आव्रजन प्रणाली की वकालत की थी।

हांगकांग सरकार की चेतावनी लोकतंत्र समर्थकों को भगाने में मदद करने वालों के खिलाफ होगी जांच

हांगकांग। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत सरकार ने चेतावनी दी है कि हांगकांग से फरार होने में मदद करने वालों की पुलिस जांच करेगी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने डेनिश रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया कि सरकार उफ्फे एल्बेक और कैटरीना अम्मितजबोल के प्रत्यर्पण की संभावना की भी जांच कर रही है। हालांकि, हांगकांग सुरक्षा ब्यूरो का कहना है कि वह केवल विभिन्न आपराधिक अपराधों के लिए मुकदमा चलाने वाले हुई ने खुले तौर पर अदालत की जमानत ली थी और फरार हो गए थे। ब्यूरो ने कहा कि वह एक अपराधी है, जिसने झूठे कारणों को गढ़ा और अपने अपराध की गंभीरता को बढ़ाने के लिए फरार होने के प्रयास में अदालत से झूठ बोला।

ब्यूरो ने पोस्ट में कहा गया है कि प्रत्येक मामले की परिस्थितियों में पुलिस कानून के अनुसार भगोड़े अपराधियों के ठिकाने को विभिन्न माध्यमों से ट्रैक करेगी और उनका पीछा करेगी। इसमें कहा गया है, जहां भी किसी व्यक्ति को उसकी राष्ट्रीयता की परवाह किए बिना, फरार होने, योजना बनाने या सहायता करने, या इस तरह की आपराधिक साजिश में अपराध करने का संदेह है, पुलिस सक्रिय रूप से जांच करेगी और मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत अपनी कानूनी देनदारियों का पीछा करेगी।

अदालत में नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण की सुनवाई पूरी, 25 फरवरी को आ सकता है फैसला

लंदन ■ एजेंसी

ब्रिटेन की अदालत में भगौड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है। उम्मीद है कि ब्रिटेन की अदालत नीरव मोदी के भारत भेजने को लेकर अगले महीने की 25 तारीख को अपना फैसला सुनाएगी। नीरव मोदी के भारत को प्रत्यर्पण मामले में ब्रिटेन की अदालत में अंतिम सुनवाई में बताया गया कि भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी एक पोंजी जैसी योजना की देखरेख कर रहा था जिसकी वजह से भारत के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ भारी धोखाधड़ी हुई।

मामले में ब्रिटेन की क्राउन अभियोजन सेवा (सीपीएस) भारतीय प्राधिकरण की ओर से बहस कर रही थी। सीपीएस का जोर पहली नजर में धोखाधड़ी के मामले में पर है। इसके साथ ही मनी लॉड्रिंग का मामले पर भी जोर दिया जा रहा है ताकि मामले में न्याय हासिल किया जा सके। मामले में दो दिन की सुनवाई के दूसरे दिन यह कहा गया।

नीरव मोदी ने दक्षिण- पश्चिम लंदन स्थित वैंड्सवर्थ जेल से वीडियो लिंक के जरिए इस सुनवाई में भाग लिया। जिला न्यायधीश सैमुएल गूजी ने मामले में सबूतों को देखा। ये सबूत इस मामले में पिछले साल हुई कई सुनवाइयों के दौरान पहले ही लंदन की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किए गए थे।

बता दें कि भारत में एक विशेष अदालत ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाला मामले में भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी को सरकारी गवाह यानी अभियोजन पक्ष का गवाह बनाने की अनुमति दे दी है। मनी लॉड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत मामलों को देखने वाले विशेष न्यायाधीश वी सी बर्डे ने सोमवार को सरकारी गवाह बनने को लेकर पूर्वी द्वारा दिए गए आवेदन को स्वीकार कर लिया। आदेश मंगलवार को उपलब्ध कराया गया।

राजस्थान भाजपा में गुटबाजी : वसुंधरा समर्थकों ने बनाया अलग संगठन

जयपुर ■ एजेंसी

राजस्थान में अब कांग्रेस के बाद भाजपा में भी खींचतान और गुटबाजी की सियासत सामने आने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को दरकिनार किए जाने से नाराज उनके समर्थकों ने अब राजस्थान में भाजपा से अलग अपना नया राजनीतिक मंच बना लिया है, जिसका नाम दिया गया है वसुंधरा राजे समर्थक राजस्थान मंच। इसके अलावा, टीम वसुंधरा के नाम से भी सोशल मीडिया में इसी मंच का एक अलग संगठन बनाया गया है। राजस्थान में वसुंधरा समर्थकों ने हर जिले में अपना जिलाध्यक्ष बनाना शुरू कर दिया है।

इसके अलावा युवा संगठन और महिला संगठन भी तैयार किए जा रहे हैं। भाजपा में यह पहली बार हो रहा है कि पार्टी के संगठन से अलग होकर किसी नेता के समर्थन में अलग संगठन तैयार किया जा रहा है। वसुंधरा समर्थक मंच के प्रदेश अध्यक्ष विजय भारद्वाज ने कहा, "मैं 2003 में वसुंधरा राजे सिंधिया की वजह से जनता दल छोड़कर भाजपा में आया था और तब से भाजपा की राज्य कार्यकारिणी का सदस्य रहा हूं, भाजपा की आमंत्रित कार्यकारिणी का सदस्य रहा हूं, इसके अलावा विधि प्रकोष्ठ का भी अध्यक्ष रहा हूं और अब हम लोग वसुंधरा राजे को मजबूत करना चाह रहे हैं।" राज्य में भाजपा के अध्यक्ष सतीश पूनिया ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

बाद में सोशल मीडिया पर प्रदेश कार्यकारिणी और जिला कार्यकारिणी की सूचियां वायरल होने लगीं। इस मामले में सतीश पूनिया ने बताया कि इस बात की जानकारी भाजपा के सभी नेताओं को है और जो लोग इस संगठन में काम कर रहे हैं वह लोग भाजपा में सक्रिय सदस्य नहीं हैं। भाजपा व्यक्ति आधारित पार्टी नहीं हैं, यह संगठन आधारित पार्टी है।

बिहार : हनीमून वाले बयान पर भड़के तेजप्रताप यादव, पोल खोलने की दी धमकी

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी का तेजस्वी यादव के खिलाफ दिए गए हनीमून वाले बयान पर विवाद बढ़ गया है। विवाद इतना बढ़ गया कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बेटे ने तेजप्रताप यादव ने जीतनराम मांझी को बुढ़ापे का ख्याल रखने की हिदायत देते हुए पोल खोल देने की धमकी तक दे डाली।

लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव से जब हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी के हनीमून वाले बयान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सवाल टाल दिया। तेजस्वी यादव शुक्रवार को ही पटना लौटे थे। लेकिन तेजस्वी यादव के बड़े भाई और तेजप्रताप ने मांझी के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मांझी अपने बुढ़ापे का ख्याल रखें और संभल जाएं। उन्होंने कहा कि मांझी बगल वाले घर में ही रहते हैं। सब पता है कि कमरे में क्या-क्या करते हैं, हम भी पोल खोल देंगे। मांझी जी अपने बुढ़ापे का ख्याल रखना चाहिए। उनके बेटे का महिला पुलिसकर्मी के साथ लफड़ा हो गया था।

अमेरिकाः वनिता गुप्ता बनी एसोसिएट अटॉर्नी जनरल, बंधकों की रिहाई लेकर आई थी चर्चा में

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका में संसद पर हुए उपद्रवियों के हमले के बाद चल रही सियासत के बीच एक भारतीय मूल के महिला वकील को एसोसिएट अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय मूल की अमेरिकी महिला वनिता गुप्ता को एसोसिएट अटॉर्नी जनरल के पद के लिए नामित किया है। अगर उनकी नियुक्ति को सीनेट की मंजूरी मिल जाती है तो वह इस पद पर पहुंचने वाली अमेरिका की पहली अश्वेत महिला होंगी। वनिता गुप्ता के बारे में बाइडन ने कहा कि वे नागरिक अधिकारों के लिए काम करने वाली अमेरिका की सबसे सम्मानित वकीलों में से हैं और उन्होंने वंचितों को न्याय दिलाने के लिए काफी संघर्ष किया है।

नवनिर्वचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने गृह प्रांत डेलावेयर के विलमिंगटन में मीडिया को कहा कि एसोसिएट अटॉर्नी जनरल न्याय विभाग में तीसरा सबसे प्रमुख पद है और मैं इसके लिए वनिता गुप्ता को नामित करता हूं। गौरतलब है कि वनिता ने नेशनल एसोसिएशन ऑफ कलर्ड पीपल लीगल डिफेंस फंड से अपने करियर की शुरूआत की थी।

एनएएसीपी में काम करने के दौरान वनिता सुर्खियों में तब आईं, जब उन्होंने लॉ स्कूल से सीधे 38 लोगों की रिहाई में जीत प्राप्त की थी। रिहा होने वाले अधिकांश अफ्रीकी मूल के अमेरिकी थे, जिन्हें टेक्सॉस के एक कस्बे में मादक पदार्थों के आरोपों में गलत तरीके से दोषी ठहराया गया था। साथ ही केस लड़ने के दौरान वनिता ने उन्हें मुआवजे के तौर पर 60 लाख डॉलर भारी भरकम राशि भी दिलाई थी।

रिपोर्ट ➤ पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ ने जारी किए अस्थायी आंकड़े

रफ्तार पकड़ रही है अर्थव्यवस्था, लगातार चौथे महीने बढ़ी ईंधन की मांग, 11 माह के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

देश की ईंधन की मांग में दिसंबर में लगातार चौथे महीने बढ़ोतरी हुई है। आर्थिक गतिविधियां फिर शुरू होने से ईंधन की खपत दिसंबर में 11 महीने के उच्चस्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, यह कोविड-19 के पूर्व के स्तर से अभी दो फीसदी कम है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2020 में पेट्रोलियम उत्पादों की कुल मांग सालाना आधार पर घटकर 1.85 करोड़ टन रह गई। एक साल पहले समान महीने में यह 1.89 करोड़ टन थी।

परिवहन और कारोबारी गतिविधियां शुरू होने से दिसंबर में ईंधन की खपत माह-दर-माह आधार पर लगातार चौथे महीने बढ़ी है। नवंबर 2020 में देश में ईंधन की खपत 1.78 करोड़ टन रही थी। पेट्रोल की खपत सितंबर में कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंची थी। वहीं डीजल की खपत अक्तूबर में सामान्य हुई थी। हालांकि, नवंबर में इसकी मांग में फिर गिरावट आई। दिसंबर में भी इसकी मांग घटी है। अक्तूबर में डीजल की मांग सालाना आधार पर 7.4 फीसदी बढ़ी थी। नवंबर में यह 6.9 फीसदी और दिसंबर में 2.7 फीसदी घटकर 71.8 लाख टन रह गई। हालांकि, माह-दर-माह आधार पर डीजल की मांग मामूली सुधरी है। नवंबर में यह 70.4 लाख टन रही थी।

त्योहारी सीजन की शुरूआत से शुरू हुई वृद्धिः कोरोना वायरस के प्रसार पर अंकुश के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से अप्रैल में ईंधन की मांग 49 फीसदी घटी थी। 69 दिन के राष्ट्रीय स्तर के लॉकडाउन के बाद स्थानीय और राज्यस्तर पर भी अंकुश लगाए। हालांकि, बाद में इन अंकुशों में धीरे-धीरे ढील दी गई। नियंत्रण वाले क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर अंकुश अभी कायम हैं। त्योहारी सीजन की शुरूआत से ईंधन की खपत में वृद्धि शुरू हुई। लेकिन देश के ज्यादातर हिस्सों में स्कूल और शैक्षणिक संस्थान अभी बंद हैं। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन अभी सामान्य नहीं हो पाया है।

सिर्फ एलपीजी की बढ़ी मांग

एकमात्र ईंधन है जिसकी मांग लॉकडाउन में भी बढ़ी थी। सरकार ने गरीब परिवारों को रसोई गैस सिलिंडर मुफ्त दिए थे। दिसंबर में एलपीजी की मांग 7.4 फीसदी बढ़कर 25.3 लाख टन पर पहुंच गई। विमान ईंधन एटीएफ की मांग दिसंबर में सालाना आधार पर 41 फीसदी घटकर 4,28,000 टन रह गई। माह-दर-माह आधार पर एटीएफ की मांग में 13.5 फीसदी का सुधार हुआ।

किम जोंग ने कहा उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा दुश्मन है अमेरिका

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा है कि अमेरिका उनके देश का सबसे बड़ा दुश्मन है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक श्री किम जोंग ने कहा है कि उत्तर कोरिया के प्रति अमेरिका की नीति में बदलाव नहीं आयेगा और यह उन पर भी निर्भर नहीं करता कि व्हाइट हाउस में कौन सर्वोच्च पद पर रहा है।

उत्तर कोरियाई नेता ने जोर दिया कि अमेरिका अपनी शत्रुतापूर्ण नीतियों को खारिज करेगा, तभी दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार होगा। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा है कि उनका देश (उत्तर कोरिया) शत्रु शक्तियों को रोकने के लिए परमाणु हथियारों में सुधार करेगा। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में किम के हवाले से कहा, 'कोरियाई प्रायद्वीप पर बढ़ रहे सैन्य खतरे को सक्रिय और पूरी तरह से समाप्त करने तथा नियंत्रित करने के लिए परमाणु प्रौद्योगिकियों में सुधार, आकार एवं वजन को कम करने और परमाणु हथियारों की सामरिक शक्ति बढ़ाने आवश्यक है।' उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक परमाणु हथियारों को विकसित करने के लिए आवश्यक है, जिसका आधुनिक युद्ध में विभिन्न तरीकों से लक्ष्य और ऑपरेशन कार्य के आधार पर उपयोग किया जा सके।

न्यूज. ब्रीफ

इलावेनिल वालारिवान, हृदय हजारिका ने 10 मीटर राइफल टी1 ट्रायल्स जीते

नयी दिल्ली । दुनिया की नंबर एक निशानेबाज इलावेनिल वालारिवान और असम के हृदय हजारिका शनिवार को यहां डा. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर क्रमशः महिला और पुरूषों के 10 मीटर एयर राइफल टी1 राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स के विजेता रहे। गुजरात की इलावेनिल ने 60 शॉट के क्वालीफिकेशन में 628.3 अंक बनाकर चौथे स्थान से फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में उन्होंने सीनियर निशानेबाज और ओलंपियन अयोनिका पॉल को आसानी से पछाड़ दिया। उन्होंने फाइनल में 251.7 अंक जुटाये और अयोनिका से दो अंक आगे रहीं। पुरूषों की स्पर्धा में हजारिका ने तोक्यो ओलंपिक 2020 कोटा हासिल कर चुके मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर को पछाड़ा। हजारिका ने 253.2 अंक हासिल किये जबकि तोमर 251.5 अंक ही बना सके।

फैजल का गोल, मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने जीत से की शुरूआत

कोलकाता। अली फैजल के दूसरे हाफ में किये गये गोल से मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने शनिवार को यहां आई लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे सुदेवा दिल्ली एफसी पर 1-0 से जीत से अपना अभियान शुरू किया। दोनों टीमों ने पहले हाफ में एक दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश की लेकिन इसमें कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में मोहम्मडन स्पोर्टिंग के लिये फैजल ने 58वें मिनट में गोल किया जिससे टीम ने पूरे अंक अपनी झोली में डाले एआईएफएफ ने रैफरी के मैदानी फैसले को सुधारा

एससी ईस्ट बंगाल के डिफेंडर फॉक्स के रेड कार्ड को बदला

नई दिल्ली । एससी ईस्ट बंगाल के डिफेंडर डैनी फॉक्स बेंगलुरू एफसी के खिलाफ होने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मुकाबले के लिये उपलब्ध होंगे क्योंकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की अनुशासनात्मक समिति ने एफसी गोवा के खिलाफ 1-1 से ड्रा मैच में उन्हें रेड कार्ड दिखाने के फैसले को बदल दिया है। एआईएफएफ की समिति ने क्लब की इस फैसले के खिलाफ अपील पर इसकी वीडियो क्लिपिंग्स की समीक्षा की। समिति इस बात से संतुष्ट दिखी कि फॉक्स ने जानबूझकर गंभीर गलती या हिंसक व्यवहार नहीं किया था। खेल पंचाट चार्टर के अनुसार मैदानी रैफरी के फैसलों की आमतौर पर तब तक समीक्षा नहीं की जाती जब तक कि पुख्ता सबूत नहीं हो कि इस फैसले में कोई दुर्भावना, लापरवाही, मनमानी की गयी हो। समिति ने खेल भावना के तहत फॉक्स को रेड कार्ड दिखाने के इस फैसले को बदलने का फैसला किया। अब वह बेंगलुरू एफसी के खिलाफ 10वें दौर के मुकाबले के लिये चयन के लिये उपलब्ध होंगे।

21 शतक जड़ने वाले शेहान जयसूर्या ने श्रीलंकाई टीम से तोड़ा नाता

नई दिल्ली। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के असाधारण प्रतिभा संपन्न ऑलराउंडर शेहान जयसूर्या ने श्रीलंका क्रिकेट को छोड़ने का फैसला कर लिया है, उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को इसकी जानकारी दी। शेहान जयसूर्या ने बोर्ड को बताया कि वो देश छोड़कर अमेरिका बस रहे हैं। शेहान अपने पूरे परिवार के साथ श्रीलंका छोड़ रहे हैं। बता दें शेहान जयसूर्या ने श्रीलंका के लिए 30 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। शेहान ने 12 वनडे और 18 टी20 मैचों में शिरकत की है। शेहान ने वनडे में एक अर्धशतक लगाया है। वहीं घरेलू क्रिकेट में इस बल्लेबाज ने 21 शतक लगाए हैं। 29 साल के शेहान जयसूर्या पिछले साल उस वक्त चर्चा में आए थे जब उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 96 रनों की पारी खेली थी। श्रीलंका की टीम ने महज 28 रनों पर 5 विकेट गंवा दिये थे लेकिन इस बल्लेबाज ने जबर्दस्त बल्लेबाजी करते हुए सभी का दिल जीत लिया। शेहान ने दसुन शनाका के साथ मिलकर 177 रनों की साझेदारी की थी। बता दें बीते कुछ महीनों में कई क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपना देश छोड़कर अमेरिका में बसने का फैसला किया है। इसमें कोरे एंडरसन, समी असलम, डेन पीट शामिल हैं। वहीं रस्टी थेरॉन पहले ही अमेरिका के लिए डेब्यू कर चुके हैं।

संदिग्ध एक्शन के सुधार के बाद अकिला धनंजय से प्रतिबंध हटा

दुबई । श्रीलंकाई स्पिनर अकिला धनंजय को संदिग्ध एक्शन में सुधार करने और इसके पुनः मूल्यांकन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी शुरू करने की इजाजत मिल गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि धनंजय के गेंदबाजी एक्शन की रिपोर्ट 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गॉल में 14 से 18 अगस्त तक हुए टेस्ट मैच के दौरान की गई थी जिसके बाद उन्हें एक साल के लिए गेंदबाजी से प्रतिबंधित कर दिया गया था। आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा- एक विशेषज्ञ पैनल ने श्रीलंका क्रिकेट द्वारा मुहैया कराये गये धनंजय के गेंदबाजी एक्शन की फुटेज को देखा क्योंकि कोविड-19 के कारण लगी विभिन्न पाबंदियों के कारण आईसीसी मान्यता प्राप्त केंद्र पर आकलन संभव नहीं था। इसके अनुसार- पैनल ने निष्कर्ष निकाला कि उनके गेंदबाजी एक्शन में कोहनी का घुमाव 15 डिग्री के अंदर तक था जो आईसीसी गेंदबाजी नियमों के अंतर्गत था।

| भारत-आस्ट्रेलिया तीसरा टेस्टः तीसरे दिन 251 रन बने और 10 विकेट गिरे |

ऑस्ट्रेलिया को 197 रन की बढ़त

सिडनी ■ एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में तीसरा टेस्ट खेला जा रहा है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 2 विकेट गंवाकर 103 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम पहली पारी में 244 रन पर सिमट गई थी। इस लिहाज से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत पर अब तक 197 रन की बढ़त ले ली है। स्टीव स्मिथ (29 रन) और मार्नस लाबुशेन (47 रन) नाबाद हैं।दोनों ने तीसरे विकेट के लिए अब तक 68 रन की पार्टनरशिप कर ली है। तीसरे दिन 251 रन बने और 10 विकेट गिरे। टीम इंडिया ने आज 96 रन पर दो विकेट से आगे खेलना शुरू किया और 148 रन के अंदर 8 विकेट गंवा दिए।

ऑस्ट्रेलिया की सलामी जोड़ी एक बार फिर विफल रही और टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दे सकी। पहली पारी में अर्धशतक जमाने वाले विल पुकोवस्की 10 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज का शिकार हो गए। 35 के कुल स्कोर पर डेविड वॉर्नर (13) को रविचंद्रन अश्विन ने आउट किया। यहां से स्मिथ और लाबुशैन ने विकेट पर अपने पैर जमा लिए। दोनों के बीच अभी तक 68 रनों की साझेदारी हो चुकी है। लाबुशेन 69 गेंदों का सामना कर छह चौके लगा चुके हैं। वहीं स्टीव स्मिथ 63 गेंदों पर तीन चौके मार चुके हैं। इससे पहले भारत ने तीसरे दिन की शुरूआत 2 विकेट पर 96 रनों के साथ की। भारतीय टीम ने कुल 100.4 ओवरों का सामना किया। चेतेश्वर पुजारा ने 50 रन बनाए जबकि ऋषभ पंत ने 36 रनों की पारी खेली। रविंद्र जडेजा 28 रनों पर नाबाद लौटे।

पंत और जडेजा दोनों को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी और दोनों के स्कैन के लिए ले जाया गया है। पंत की जगह रिद्धिमान साहा विकेटकीपिंग कर रहे हैं। भारत ने दिन के पहले सत्र में कप्तान अजिंक्य रहाणे (22) और हनुमा विहारी (4) के विकेट गंवाए थे। दूसरे सत्र में भारत ने पंत और पुजारा के साथ-साथ बाकी

सभी विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने चार विकेट लिए जबकि जोश हेजलवुड को दो विकेट मिले। मिशेल स्टार्क ने भी एक सफलता हासिल की। भारत के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए। यह कुल सातवां मौका है जब किसी एक पारी में भारत के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए हैं। लंच तक भारत अच्छी स्थिति में दिख रहा था। उस समय तक उसने चार विकेट पर 180 रन बनाए थे। चार में से दो विकेट शनिवार को गिरे थे जबकि दो शुक्रवार को गिरे थे। लंच तक पुजारा 42 और पंत 29 रनों पर नाबाद थे। लंच के बाद भारत के लिए स्थिति बिल्कुल विपरीत हो गई।

पहले पंत 195 के कुल योग पर आउट हुए और फिर इसी योग पर पैट कमिंस ने पुजारा को आउट किया। पंत का विकेट हेजलवुड ने लिया जबकि पुजारा को कमिंस ने चलता किया। इसके बाद जडेजा और रविचंद्रन अश्विन (10) ने स्कोर को 200 के पार पहुंचाया लेकिन 206 के कुल योग पर अश्विन रन आउट कर दिए गए। नवदीप सैनी (3) को मिशेल स्टार्क ने 210 पर चलता किया और जसप्रीत बुमराह को 216 के कुल योग पर लाबुशैन ने रन आउट किया। जडेजा 37 गेंदों पर पांच चौके लगाकर नाबाद रहे जबकि अंतिम विकेट के तौर पर कमिंस ने मोहम्मद सिराज (6) को आउट किया। ऋषभ पंत की जगह ऋद्धिमान साहा सब्सटिट्यूट फील्डर के तौर पर विकेटकीपिंग कर रहे हैं। भारतीय पारी के दौरान पंत के हाथ (एल्बो) में चोट लगी थी। वहीं, रविंद्र जडेजा को भी बैटिंग के दौरान बाएं अंगूठे में चोट लगी थी। दोनों को स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया।

अश्विन ने वॉर्नर को रिकॉर्ड 10वीं बार आउट किया

दूसरी पारी में रविचंद्रन अश्विन ने डेविड वॉर्नर को छइह आउट किया। उन्होंने 23 बॉल पर 19 रन की पारी खेली। अश्विन ने वॉर्नर को टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 10 बार आउट किया है। इसके अलावा उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एलिस्टेयर कुक को 9 बार आउट किया। मोहम्मद सिराज ने विल पुकोव्स्की को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया। वे 10 रन (16 बॉल) बनाकर आउट हुए। आखिरी बार 2008-09 यानी 12 साल पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को उनके देश में पहले बैटिंग करते हुए और पहली पारी में बढ़त लेने के बावजूद हार मिली थी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ पर्थ के वाका ग्राउंड में खेला था। इस मैच में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 94 रन की बढ़त ली थी।

इंडिया ने 148 रन पर 8 विकेट गंवाए

भारत ने तीसरे दिन 96 रन पर 2 विकेट से आगे खेलना शुरू किया था। यानी तीसरे दिन टीम ने 148 रन बनाने में बाकी 8 विकेट गंवा दिए। चेतेश्वर पुजारा, पंत और रविंद्र जडेजा के अलावा कोई भी बल्लेबाज विकेट पर नहीं टिक सका। 4 बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

3 बल्लेबाज एक पारी में रन आउट

भारत की पहली पारी में हनुमा विहारी, रविचंद्रन अश्विन और बुमराह रन आउट हुए। 12 साल बाद एक पारी में 3 भारतीय बल्लेबाज रन आउट हुए। इससे पहले 2008-09 में इंग्लैंड के खिलाफ मोहाली में एक पारी में भारत के 3 बल्लेबाज रन आउट हुए थे। 2008-09 में वीरेंद्र सहवाग, वीवीएस लक्ष्मण और युवराज सिंह रन आउट हुए थे। यह 7वीं बार है जब एक पारी में भारत के 3 या इससे ज्यादा बल्लेबाज रन आउट हुए हैं।

कमिंस ने सिराज को आउट कर भारतीय पारी को समेटा

इससे पहले भारत की पहली पारी 244 रन पर सिमट गई थी। पैट कमिंस ने मोहम्मद सिराज को आउट कर भारत की पहली पारी को समेट दिया। वे 6 रन बनाकर आउट हुए। रविंद्र जडेजा 37 बॉल पर 28 रन बनाकर नाबाद रहे। जसप्रीत बुमराह शून्य पर मार्नस लाबुशेन के एक शानदार थ्रो (शॉर्ट लेग से) पर रन आउट हुए। नवदीप सैनी 4 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मिचेल स्टार्क ने मैथ्यू वेड के हाथों कैच कराया। वहीं, अश्विन 15 बॉल पर 10 रन बनाकर रन आउट हुए।

3 टेस्ट में चौथी बार कमिंस का शिकार बने पुजारा

पैट कमिंस ने चेतेश्वर पुजारा को विकेटकीपर टिम पेन के हाथों कैच कराया। वे 176 बॉल पर 50 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने सीरीज की 5 पारियों में चौथी बार पुजारा को आउट किया। वहीं, ऋषभ पंत 67 बॉल पर 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोश हेजलवुड ने डेविड वॉर्नर के हाथों कैच कराया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कमिंस ने 4, हेजलवुड ने 2 और स्टार्क ने 1 विकेट लिए।

पुजारा के टेस्ट करियर की 25वीं फिफ्टी

पुजारा ने मैच के दौरान टेस्ट करियर की 25वीं फिफ्टी लगाई। पुजारा के करियर की यह सबसे धीमी फिफ्टी है। उन्होंने इसके लिए 174 गेंदें खेलीं। इससे पहले 2018 में जोहानेसबर्ग में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 173 बॉल में फिफ्टी लगाई थी। वे उस मैच में भी 50 रन बनाकर विकेटकीपर को कैच दे बैठे थे। जबकि आज के मैच में भी विकेटकीपर पेन ने उनका कैच लिया ऋषभ पंत ऑस्ट्रेलिया में लगातार 9 इनिंग्स में 25+ रन स्कोर करने वाले पहले प्लेयर बने। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में पिछली 9 इनिंग्स में 25, 28, 36, 30, 39, 33, 159*, 29 और 36 रन (आज) स्कोर किए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड वाली हेमंड, रूसी सुर्ती और सर विवियन रिच?ड्र्स के नाम था। इन सभी ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार 8 इनिंग्स में 25+ रन स्कोर किए थे।

हेजलवुड ने विहारी को रन आउट किया

जोश हेजलवुड ने हनुमा विहारी को रन आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। वे 38 बॉल पर 4 रन बनाकर आउट हुए। विहारी ने पुजारा के साथ चौथे विकेट के लिए 75 बॉल पर 25 रन की पार्टनरशिप की।

रहाणे के रूप में पहला झटका

इससे पहले पैट कमिंस ने टीम इंडिया को दिन का पहला झटका दिया। उन्होंने आज कप्तान अजिंक्य रहाणे को 22 रन (70 बॉल) के निजी स्कोर पर बोल्ड किया। रहाणे ने पुजारा के साथ तीसरे विकेट के लिए 135 बॉल पर 32 रन की पार्टनरशिप की। इससे पहले दूसरे दिन ओपनर रोहित शर्मा (26 रन) और शुभमन गिल (50 रन) आउट हुए थे। दोनों ने पहले विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की थी। सिडनी टेस्ट के तीसरे दिन को जेन मैकग्रा डे के नाम से भी जाना जाता है। इसका नाता ऑस्ट्रेलियाई लीजेंड ग्लेन मैकग्रा और उनकी पत्नी जेन से जुड़ा है। जेन का 2008 में ब्रेस्ट कैंसर की वजह से निधन हुआ था। इसके बाद ब्रेस्ट कैंसर के प्रति लोगों में जागरूकता के लिए सिडनी में पिंक टेस्ट कराया जाने लगा। यह ग्लेन मैकग्रा का होम ग्राउंड है।

पुजारा के कैच पर थर्ड अंपायर नहीं कर पाए फैसला, गुस्साए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान फील्ड अंपायर से उलझे

शनिवार को सिडनी टेस्ट के तीसरे दिन चेतेश्वर पुजारा को नॉटआउट दिए जाने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और विकेटकीपर टिम पेन ने फील्ड अंपायर विल्सन से बहस की। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन फील्ड अंपायर से उलझ गए। अंपायर के फैसले का विरोध करने का खामियाजा उन्हें जुमार्ने के तौर पर भुगतना पड़ सकता है। दरअसल, नाथन लियोन की गेंद पर मैथ्यू वेड ने चेतेश्वर पुजारा का कैच लिया। फील्ड अंपायर पॉल विल्सन ने नॉटआउट कहा। ऑस्ट्रेलिया ने डीआरएस लिया। तीसरे अंपायर कुछ तय नहीं कर पाए। उन्होंने विल्सन पर मामला छोड़ दिया। विल्सन ने पुजारा के पक्ष में फैसला दिया। इससे पेन भड़क गए और अंपायर से बहस करने लगे। लियोन की गेंद को पुजारा ने डिफेंस किया। बॉल उछली और शॉर्ट लेग पर खड़े मैथ्यू वेड ने कैच कर लिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपील की। विल्सन ने इसे नकार दिया। इस पर विकेटकीपर और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पेन ने डीआरएस लिया। थर्ड अंपायर ब्रूस ऑक्सनफोर्ड स्निको मीटर और हॉट स्पॉट से यह तय नहीं कर पाए कि पुजारा आउट हैं या नहीं। उन्होंने मैदानी अंपायर विल्सन से आखिरी फैसला लेने को कहा। विल्सन अपने पुराने फैसले पर कायम रहे। इसके बाद पेन ने विल्सन से कहा- सिर्फ लेग साइड का हॉट स्पॉट ही क्यों देखा, ऑफ साइड का क्यों नहीं। इस पर विल्सन ने पेन को दो टूक जवाब दिया। कहा- फैसला तीसरे अंपायर का है। आप मुझसे कुछ नहीं कह सकते।

सिराज-बुमराह को दी गई गालियां टीम मैनेजमेंट ने की शिकायत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया काफी मजबूत स्थिति में है। इस मैच में अब तक तीन दिन का खेल हो चुका है। मैच के तीसरे दिन एक बड़ा मामला सामने आया, जब पता चला कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह पर सिडनी क्रिकेट ग्राउंड मे मौजूद दर्शकों द्वारा भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए नस्लभेदी टिप्पणी की गई है। इसके बाद टीम मैनेजमेंट ने इसकी शिकायत मैच रेफरी के पास दर्ज कराई है। क्रिकबज के अनुसार, सिडनी टेस्ट मैच के दूसरे और तीसरे दिन दर्शकों ने दोनों तेज गेंदबाजों पर नस्लभेदी टिप्पणी की। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम के बाहर टीम इंडिया के अधिकारी, आईसीसी और स्टेडियम सुरक्षा अधिकारियों के साथ बातचीत करते दिखे। इस बातचीत के दौरान वहां जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज भी मौजूद थे। इसके अलावा टीम के सीनियर खिलाड़ी कप्तान अजिंक्य रहाणे और स्टार ऑफ स्पिनर आर अश्विन भी इस मुद्दे पर अंपायर पॉल रिफिल और पॉल विल्सन से बातचीत करते नजर आए।

पंत और जडेजा के चोटिल होते ही फैन्स ने किया रवि शास्त्री को ट्रोल

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 94 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हुई और उसने दूसरी पारी में स्टंप्स तक दो विकेट पर 103 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 197 पंहुचा कर मैच पर अपना शिकंजा कस लिया है। मैच के तीसरे दिन भारतीय टीम की पहली पारी 244 रनों पर समाप्त हुई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पैट कमिंस ने 21.4 ओवर में 29 रन देकर चार और जोश हेजलवुड ने 21 ओवर में 43 रन देकर दो विकेट लिए। इसके अलावा मिचेल स्टार्क ने 19 ओवर में 61 रन देकर एक विकेट लिया। इस पारी में भारत के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए।

टी-10 के लिए तैयार ब्रावो, बोले- क्रिकेट में आने वाली है क्रांति

अबुधाबी। वेस्टइंडीज के हरफनमौला ड्वेन ब्रावो का मानना है कि टी-10 क्रिकेट में वही क्रांति ला सकता है जो 15 साल पहले टी-20 प्रारूप लेकर आया था। ब्रावो यहां अबुधाबी टी-10 लीग की तैयारी में जुटे हैं। उन्होंने कहा- टी-10 रोमांचक टूर्नामेंट है और यह वैसी ही प्रतिस्पर्धा है

जैसी कुछ साल पहले टी-20 थी। पूरी दुनिया में टी20 को इसी तरह प्रशंसकों ने हाथों हाथ लिया था। ब्रावो ने कहा- टी-10 भी ऐसा ही कुछ कर सकता है। इससे खिलाडि?ों का कैरियर लंबा हो सकता है। एक गेंदबाज के तौर पर मैं इसे चुनौती के रूप में लेता हूं क्योंकि यह गेंदबाजों के अनुकूल प्रारूप नहीं है और इसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाडि?ों का सामना करना है। पिछले सत्र में ब्रावो के शानदार प्रदर्शन से मराठा अरेबियंस ने खिताब जीता था। अब वह दिल्ली बुल्स के लिए खेलेंगे। इन दिनों त्रिनिदाद और टोबैगो में घर पर अभ्यास कर रहे ब्रावो ने कहा कि इस प्रारूप में क्षेत्ररक्षण की काफी अहमियत है। उन्होंने कहा- यह काफी महत्वपूर्ण है। मैं हमेशा कहता हूं कि फील्डिंग में बचाया गया हर रन आपके लक्ष्य में एक रन कम करता है। एक ईकाई के रूप में अच्छा क्षेत्ररक्षण बेहद जरूरी है।

इंडिनय एरोज के खिलाफ आई लीग अभियान शुरू करेगा चर्चिल ब्रदर्स

कोलकाता ■ एजेंसी

दो बार का चैम्पियन चर्चिल ब्रदर्स एफसी रविवार को यहां आई लीग में अपना अभियान युवा खिलाड़ियों की इंडियन एरोज के खिलाफ शुरू करेगा। चर्चिल ब्रदर्स की टीम इस सत्र में तीसरी ट्राफी अपने नाम करना चाहेगी और मुख्य कोच फर्नांडो वारेला ने जीत से शुरूआत करने की अहमियत पर जोर देते हुए कहा- अच्छी शुरूआत करना अहम है क्योंकि इससे शुरू से ही आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है जिससे दूसरे मैच के लिये तैयार होने में मदद मिलती है। लेकिन हमें इंडियन एरोज पर ध्यान लगाना होगा और सतर्क रहना होगा क्योंकि उनकी टीम युवाओं की है जो हमेशा चुनौती देने के लिये तैयार रहते हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की डेवलपमेंटल टीम इंडियन एरोज में देश के युवा सितारें शामिल हैं। मुख्य कोच वेंकटेश शानमुगम ने कहा- हमारी टीम युवा खिलाड़ियों की है और हमारा यही हथियार है। ज्यादातर खिलाड़ी पहली बार हीरो आई लीग में खेल रहे हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि वे रोमांचित भी हैं। हम अच्छा नतीजा हासिल करना चाहेंगे।

विदेशी मुद्रा — एफसीए में बढ़ोतरी आने के कारण मुद्रा भंडार में दर्ज की गई तेजी, जो रिजर्व का बड़ा हिस्सा है

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार फिर नए रिकॉर्ड पर

- पहुंचा 585 अरब डॉलर के पार
- कोरोना की मार से तेजी से उबर रही अर्थव्यवस्था की रफ्तार अधिकतर अनुमानों से बेहतर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर रिकॉर्ड ऊंचाई पर जा पहुंचा है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, इस महीने की पहली तारीख को खत्म सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 4.683 अरब डॉलर बढ़कर 585.324 अरब डॉलर की नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। पिछले वर्ष 25 दिसंबर को खत्म सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार गिरावट के साथ 580.841 अरब डॉलर का रह गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) में बढ़ोतरी आने के कारण मुद्रा भंडार में तेजी दर्ज की गई, जो कुल रिजर्व का

बड़ा हिस्सा है। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में एफसीए में बढ़ोतरी आने के कारण मुद्रा भंडार में तेजी दर्ज की गई, जो कुल रिजर्व का बड़ा हिस्सा है। आरबीआई के साप्ताहिक डेटा के मुताबिक, फॉरेन करेंसी एसेट्स 4.168 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 541.642 अरब डॉलर पर पहुंच गया। फॉरेन करेंसी एसेट्स को डॉलर की टर्म में देखा जाता है। इसमें फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व में रखे गैर अमेरिकी यूनिट्स जैसे यूरो, पाउंड और येन में बढ़ोतरी और गिरावट का असर शामिल होता है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन हफ्ते में स्वर्ण भंडार 315 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 37.026 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास मौजूद स्पेशल ड्राइंग राइट्स में कोई बदलाव नहीं आया और यह 1.510 अरब डॉलर पर रहा। डेटा के मुताबिक, समीक्षाधीन हफ्ते के दौरान आईएमएफ के पास देश के भंडार की स्थिति भी पिछले हफ्ते के समान 5.145 अरब डॉलर पर रही। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले वर्ष पांच जून को खत्म सप्ताह के दौरान पहली बार 500 अरब डॉलर और नौ अक्टूबर को खत्म सप्ताह के दौरान 550 अरब डॉलर के पार पहुंचा था। कोरोना वायरस के प्रहार के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था अधिकतर अनुमानों के मुकाबले तेजी से उबर रही है। आरबीआई के बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक से एक आर्टिकल में कहा गया है कि तीसरी तिमाही (क्यू3) में अर्थव्यवस्था पॉजिटिव दायरे में आ सकती है। इस बुलेटिन में कहा गया है कि ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनसे इस बात के संकेत मिलते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 की मार से तेजी से उबर रही है। अर्थव्यवस्था की यह रफ्तार अधिकतर अनुमानों से कहीं बेहतर है।

हुंदै ने 4.71 लाख और एसयूवी को बाजार से वापस मंगाया

डेट्रॉयट। हुंदै ने कंप्यूटर में इलेक्ट्रिकल शॉर्ट-इन की गड़बड़ी को दुरुस्त करने के लिए 4,71,000 और एसयूवी को बाजार से वापस लेने का फैसला किया है। इस गड़बड़ी की वजह से वाहन में आग लग सकती है। इससे पहले कंपनी ने सितंबर में इसी गड़बड़ी की वजह से अमेरिका में वाहन बाजार से वापस मंगाए थे। कंपनी ने वाहन मालिकों को आगाह किया है कि जब तक यह गड़बड़ी ठीक नहीं हो जाती, वे अपनी एसयूवी को खुले में बाहर खड़ा करें। कंपनी ने 2016 से 2018 के दौरान विनिर्मित वाहन बाजार से वापस मंगाए हैं। इसके अलावा 2020 से 2021 के दौरान विनिर्मित हुंदै टूसों एसयूवी को बाजार से वापस लिया है। इन वाहनों में एंटी लॉक ब्रेक प्रणाली कंप्यूटर है, जिनमें इलेक्ट्रिकल शॉर्ट होने की संभावना है।

राष्ट्रीय रोजगार नीति को दिसंबर तक स्वरूप प्रदान कर सकता है श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय इस साल दिसंबर तक राष्ट्रीय रोजगार नीति (एनईपी) को एक स्वरूप प्रदान कर सकता है। यह चार श्रम संहिताओं को लागू करने और प्रवासी कामगारों समेत चार प्रमुख सर्वेक्षणों को पूरा करने के बाद किये जाने की संभावना है। एनईपी देश में नौकरी के अवसरों में सुधार के लिये मुख्य रूप से कौशल विकास जैसी विभिन्न पहलों, अधिक रोजगार वाले क्षेत्रों में निवेश लाकर और अन्य नीतिगत हस्तक्षेप के जरिये एक व्यापक रोड मैप तैयार करेगा। पिछले साल संसद ने औद्योगिक संबंधों, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों पर तीन श्रम संहिता पारित की थी। परिश्रामिक (मजदूरी) पर संहिता को पिछले साल संसद द्वारा पारित कर दिया गया था और इसके नियम भी तैयार कर लिये गये हैं। हालांकि, इस संहिता के नियमों पर अमल को टाल दिया गया क्योंकि सरकार एक साथ चारों श्रम संहिताओं को लागू करना चाहती है। इन चारों संहिताओं को इस साल एक साथ एक अप्रैल से लागू किये जाने की संभावना है। इन चार श्रम संहिताओं को एक साथ लागू करने से सामाजिक सुरक्षा व देश के 50 करोड़ से अधिक कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के लिये अनुकूल वैधानिक ढांचा उपलब्ध होगा। हालांकि रोजगार सृजन के लिये एक व्यापक एनईपी की जरूरत है, ताकि अर्थव्यवस्था के विभिन्न खंडों की हर श्रेणियों की संभावनाओं का भरपूर दोहन किया जा सके। इसके लिये देश भर के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के ताजा आंकड़ों की जरूरत होगी। इस कमी को श्रम मंत्रालय की इकाई श्रम ब्यूरो द्वारा किये जाने वाले चार अहम सर्वेक्षणों के माध्यम से दूर किया जायेगा। श्रम ब्यूरो के महानिदेशक डीएस नेगी ने कहा कि ब्यूरो ने इस दिशा में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और मार्च तक चार सर्वेक्षणों का काम शुरू कर दिया जायेगा। नतीजे इस साल अक्टूबर अंत तक सामने आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि एनईपी इस साल दिसंबर तक इन चार सर्वेक्षणों के डेटा इनपुट के आधार पर एक आकार लेगा।

किसान आय बढ़ाने के लिये उद्यानिकी फसलों को प्राथमिकता दें: राज्यमंत्री श्री कुशवाह

किसान आत्मनिर्भर होगा तभी प्रदेश और देश आत्मनिर्भर बनेगा - सांसद श्री शेजवलकर
प्रदेश में 20 विकासखण्डों को उद्यानिकी के क्षेत्र में विकसित करने हेतु मॉडल बनाया जायेगा

ग्वालियर। किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिये खेती के साथ-साथ उद्यानिकी को भी अपनाना होगा। किसान की आय दोगुनी करने में उद्यानिकी फसलें मददगार बनेंगीं। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा कारगर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने रविवार को मुरार विकासखण्ड के कृषक प्रशिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही। विक्रांत कॉलेज के सभागार में आयोजित किसान प्रशिक्षण शिविर में कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने की। इस मौके पर विशेष अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में उद्यानिकी विभाग के संयुक्त संचालक श्री राजेन्द्र राजौरिया, विक्रांत कॉलेज के डायरेक्टर श्री राठौर सहित कृषि विशेषज्ञ एवं किसान भाई उपस्थित थे। उद्यानिकी राज्यमंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश में 20 विकासखण्डों को उद्यानिकी के क्षेत्र में मॉडल विकासखण्ड बनाने का निर्णय लिया गया है। इसमें मुरार विकासखण्ड भी शामिल है। चयनित सभी विकासखण्डों में उद्यानिकी को बढ़ावा देने के लिये विशेष प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये किसानों के हित में सरकार ने अनेक निर्णय लिए हैं। मध्यप्रदेश में कृषि उपज का रिकॉर्ड भी प्रदेश सरकार ने बनाया है। अब हमें उद्यानिकी के रकबे को भी बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। उद्यानिकी फसलों के माध्यम से ही किसानों की आय में बढ़ोत्तरी होगी। मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि किसान भाई अपने व्यवहारिक ज्ञान के साथ अगर विज्ञान को जोडकर उद्यानिकी फसलें करें तो उन्हें और अधिक लाभ मिल सकता है। प्रदेश सरकार द्वारा

किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के रास्ते आसान हुए हैं। अब किसानों को अपने कोल्ड स्टोरेज निर्माण के लिये भी 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिये खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को भी किसान लें, इसके लिये किसानों को प्रशिक्षित भी किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि ग्वालियर के किसान भाईयों के लिये यह एक सुनहरा अवसर है जब प्रदेश का उद्यानिकी राज्यमंत्री और देश का कृषि मंत्री दोनों ही ग्वालियर के हैं। किसान भाई केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर ग्वालियर को कृषि के क्षेत्र में एक मॉडल जिला बनाएँ। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब सभी व्यवसाय पूरी तरह से ध्वस्त हो गए थे तब भी किसान भाईयों ने अपनी मेहनत से खेतों में खाद्यान्न उत्पादन किया। श्री शेजवलकर ने कहा कि कोरोना काल में किसान न केवल अन्नदाता बना बल्कि अभयदाता भी सिद्ध हुआ है। सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि हमारे देश में जितना विकास औद्योगिक क्षेत्र में हुआ है उतना विकास कृषि के क्षेत्र में नहीं हो पाया है। हमें कृषि को लाभ का धंधा बनाना होगा और किसानों को आत्मनिर्भर बनाना होगा। जब हमारा किसान आत्मनिर्भर होगा तब हमारा प्रदेश और देश आत्मनिर्भर होगा। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में प्रदेश व देश की सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की सरकार ने किसानों के हित में जो कानून बनाए हैं उससे किसानों को बहुत लाभ होने वाला है। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी ने कहा कि किसानों की उन्नति के लिये प्रदेश सरकार द्वारा जो कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं उससे किसानों को आधुनिक तकनीक की जानकारी मिलेगी और उनकी खेती में बढ़ोत्तरी होगी। आधुनिक तरीके से किस प्रकार खेती को लाभ का धंधा बनाया जा सकता है। इसके लिये प्रशिक्षण ले रहे सभी किसानों को बधाई। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयुक्त संचालक उद्यानिकी श्री राजेन्द्र राजौरिया ने प्रशिक्षण शिविर के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें केवल उत्पादन ही नहीं बढ़ाना है बल्कि गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर विशेष ध्यान देना है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में 20 विकासखण्डों को मॉडल विकासखण्ड के रूप में विकसित करने का जो निर्णय लिया गया है उसके लिये विभागीय स्तर पर विस्तृत प्लान तैयार किया जा रहा है। आने वाले दिनों में मॉडल विकासखण्डों में उद्यानिकी की उपज गुणवत्ता के साथ किसान ले सकेंगे, इसके लिये कार्य किया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि अनुसंधान केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय के विषय विशेषज्ञों ने किसानों को विस्तार से प्रशिक्षण दिया। किसानों द्वारा भी पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने समाधानपूर्वक जवाब दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं बालिका पूजन के साथ हुआ।

अन्नदाता के साथ कांग्रेस का हाथ: डॉ. सिकरवार

ग्वालियर पूर्व के धरना प्रदर्शन में उमड़ा जनसैलाब

ग्वालियर। प्रदेश कॉग्रेस कमेटी के आव्हान पर प्रदेष भर में कृशि कानून बिलों के खिलाफ और किसानों के समर्थन में चल रहे धरना प्रदर्षन के क्रम में आज ग्वालियर पूर्व विधानसभा का विषाल धरना इंदरगंज चौराहा पर दिया गया। धरना प्रदर्षन में हजारों की संख्या कॉग्रेस कार्यकर्ता दुपहिया वाहनों, टेक्टरों और बसों से रैली के रूप में धरना स्थल पर पहुँचे। हाथों में तिरंगा झण्डा लिये सोनिया-कमलनाथ और सतीष सिकरवार जिंदाबाद के नारे लगाते हुये कार्यकर्ता पूरे उत्साह और उमंग में नजर आये। धरने में बडी संख्या में महिलाओं ने भी भागीदारी की। धरना प्रदर्षन कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक एवं विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, षहर जिलाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र षर्मा, पूर्व सासंद रामसेवक सिंह 'बाबूजी', पूर्व मंत्री बालेन्दु षुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष चन्द्रमोहन नागौरी, महिला कॉग्रेस जिलाध्यक्ष रूचिराय ठाकुर मुख्य रूप से मौजूद रहे। धरना स्थल पर वक्ताओं ने किसानों के धरना आंदोलन का पुरजोर समर्थन करते हुये कहा कि केन्द्र सरकार उद्योगपतियों के ईषारे पर किसानों के खिलाफकाले कानून के रूप में कृशि बिल लाई है, जिसका कॉग्रेस पार्टी विरोध करती है। षहर जिला कॉग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र षर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार किसानों के आंदोलन को लेकर असंवेदनशील नजर आ रही है, यह कृशि बिल अडानी और अंबानी जैसे उद्योगपतियों को फायदा देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मंडियां और एम.एस.पी. खत्म करके किसानों के षोशण पर आमादा है, जिसे बर्दाषत नहीं किया जायेगा। डॉ. षर्मा ने कहा कि पूरे देष की अर्थव्यवस्था कृशि पर निर्भर है और सरकार किसानों को उद्योगपतियों की गुलामी की ओर धकेल रही है।

उन्होंने कॉग्रेस कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि जिस बडी संख्या में आज इस धरना प्रदर्षन में षामिल हुये हैं उसी तरह आगे के आंदोलनों में भी कार्यकर्ताओं को भागीदारी निभाना है। धरना को संबोधित करते हुये कार्यक्रम संयोजक एवं विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने कहा कि अन्नदाताओं के साथ कांग्रेस का हाथ है और यह पूरी मजबूती के साथ उनके आंदोलन में भागीदारी निभा रहा है और आगे भी निभाऐगा। उन्होने कहा कि किसान दिल्ली के आस-पास कडाके की ठंड में सड़कों पर बैठा हुआ है और केन्द्र सरकार गूंगी-बहरी बनकर सोई हुई है। उन्होंने कहा कि कॉग्रेस पार्टी का इतिहास रहा है कि जब भी कोई आंदोलन खडे किये तब वे सफल रहे, यहां तक कि आजादी की लड़ाई में इन्ही आंदोलनों के माध्यम से अंग्रेजों को तक खदेड़ दिया था। उन्होंने पार्टी संगठन में अनुषासन पर जोर देते हुये कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती के लिये अनुषासन बहुत जरूरी है। अनुषासन से ही संगठन को मजबूत बनाया जा सकता है। डॉ. सिकरवार ने ऐतहासिक धरना प्रदर्षन में षामिल हुये हजारों कार्यकर्ताओं का एवं नेताओं का धन्यवाद भी ज्ञापित किया। इससे पहले कॉग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चन्द्रमोहन नागौरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि मोदी सरकार अब अपना जनादेष खोती जा रही है। जनता जर्नादन बदलाव चाहती है, उन्होंने कहा कि डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस एवं खाद्यानों की बढती मंहगाई से आम आदमी परेषान है। केन्द्र सरकार ने कृशि बिल के रूप में जो काला कानून पेष किया है उसका असर न केवल किसानों पर पडेगा ब्लकि आम आदमी पर मंहगाई के रूप में असर पडेगा। धरना प्रदर्षन को कॉग्रेस नेता अमर सिंह माहौर, मोहन महेष्वरी, राम पाण्डे, केदार सिंह कंशाना, वीना भारद्वाज आदि ने भी संबोधित किया। संचालन पार्टी प्रवक्ता धमेन्द्र षर्मा ने एवं आभार कार्यक्रम संयोजक एवं विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में कृश्णराव दीक्षित, अवधेष कौरव, महाराज सिंह पटेल, चतुर्भुज धन्नोलिया, वीर सिंह तोमर, आषीश अरजरिया, सीमा समाधिया, सरमन सिंह राय, सिद्धार्थ सिंह राजावत, अषोक प्रेमी, जे.एच. जाफरी, प्रेम सिंह यादव, विनोदी जैन, राकेष गुर्जर, कल्लू तोमर, नगरपाल आर्य, कुसुम षर्मा, पूर्व पार्शद नरेन्द्र सिंह, उशा गहलोत, अख्तर हुसैन कुरैषी आदि समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मदद योजना के नियमों में संशोधन, विभाग ने जारी किये आदेश

ग्वालियर। आदिम-जाति कल्याण विभाग ने मुख्यमंत्री मदद योजना के नियमों की कुछ कण्डिकाओं में संशोधन किये हैं। इस संबंध में विभाग ने आदेश भी जारी किये हैं। संशोधन के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा क्रय की गई सामग्री को अब ग्राम पंचायत सचिव प्राप्त कर स्टॉक पंजी में संधारित किया जायेगा। ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम में अनुसूचित-जनजाति के परिवार में सामाजिक संस्कारों के कार्यक्रम के लिये उक्त सामग्री संबंधित परिवार को निःशुल्क उपयोग के लिये उपलब्ध कराई जायेगी। किये गये संशोधन के अनुसार ग्राम पंचायत सचिव द्वारा सामग्री प्रदाय किये जाने की जानकारी संधारित करने के लिये एक पंजी तैयार की जायेगी। उक्त पंजी में समय-समय पर जिस परिवार को उपयोग के लिये सामग्री दी जायेगी, उसका विवरण पंजी में लिखा जायेगा। मध्यप्रदेश के विभिन्न जन-जातीय समुदाय में जन्म, मृत्यु आदि संस्कारों पर उत्सव करने की परम्परा रही है। इन अवसरों पर सामाजिक भोज का आयोजन परम्परागत रूप से किया जाता रहा है। ऐसे अवसरों पर निर्धनता के कारण कई जन-जातीय परिवार भोज आदि की व्यवस्था में कठिनाई का सामना करते हैं। कई मौकों पर उन्हें ऋणग्रस्तता का सामना करना पड़ता है। जन-जातीय परिवारों को इस समस्या से मुक्त करने के लिये राज्य सरकार ने प्रदेश के 89 जन-जातीय विकासखण्डों में मदद योजना संचालित की है। योजना के अंतर्गत बच्चे का जन्म होने पर उत्सव के लिये 50 किलो अनाज (गेहूँ अथवा चावल) और मृत्यु होने पर भोज के लिये एक क्विंटल अनाज संबंधित परिवार को निर्धारित दर पर उचित मूल्य की दुकान से उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना में सामूहिक भोज के अवसर पर खाना पकाने के लिये बर्तन आदि व्यवस्था के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत के माध्यम से संबंधित ग्राम को 25 हजार रुपये के बर्तन उपलब्ध करवाये गये हैं।

रजिस्ट्रीकरण, नवीनीकरण के लिए आवेदन ऑनलाईन करें

ग्वालियर। मध्यप्रदेश दुकान एवं स्थापना अधिनियम 1958 के अंतर्गत प्रदत्त पंजीकरण एवं नवीनीकरण शुल्क म.प्र. राज्य शासन की अधिसूचना दिनांक 8 मार्च 2019 के माध्यम से जिन स्थापनाओं में एक से तीन कर्मचारी कार्यरत हैं, उनके लिए रजिस्ट्रीकरण, नवीनीकरण शुल्क दौ सौ रूपये एवं जिन स्थापनाओं में तीन से अधिक कर्मचारी हैं उन स्थापनाओं, रजिस्ट्रीकरण शुल्क 250 रूपये निर्धारित किया गया है। रजिस्ट्रीकरण, नवीनीकरण के लिए आवेदन श्रमायुक्त विभाग के पोर्टल पर ऑनलाईन किया जा सकता है। इस संबंध में स्पष्ट किया गया है कि जिन स्थापना संचालकों द्वारा 15 फरवरी 2014 के पश्चात स्थापना का रजिस्ट्रीकरण, नवीनीकरण प्राप्त किया गया है, उन स्थापनाओं का नवीनीकरण कराये जाने की आवश्यकता नहीं है।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 17 से 19 जनवरी तक

ग्वालियर। ग्वालियर सहित प्रदेश के सभी जिलों में 17 से 19 जनवरी तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान चलाया जायेगा। अभियान के तहत जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चो को सूचीबद्व कर फ्दो बूंद जिदंगी की यानि पल्स पोलियो खुराक दी जाएगी। इस अभियान की सूक्ष्म कार्ययोजना निर्माण, प्रशिक्षण, अंतरविभागीय समन्वय, जिला टास्क फोर्स की बैठक, वृहत प्रचार-प्रसार, प्रिन्टिंग, कोल्ड चैन प्लान, फ्रीजिंग प्लान एवं अभियान के लिए अन्य गतिविधियों के सफल संचालन के लिए समय-सीमा तथा अधिकारी, कर्मचारियों की जबावदेही का निर्धारण किया गया है।

धुम्रपान को छोड़ो या अपनी जिन्दगी को छोड़ो यह हमारे हाथ में हैः डॉ. पुरोहित

नषा समाज के लिये अभिषाप है जिसके लिये हम अपने जीवन को त्यागते है इससे बचने के लिये धुम्रपान छोड़ेः डॉ. पुरोहित

(धुम्रपान निषेध विषय पर व्याख्यान एन.एस.एस. माधव महाविद्यालय द्वारा कार्यक्रम)

ग्वालियर। विष्व में भारत युवा प्रधान देष है यह युवा ही देष की दिषा को परिवर्तित कर सकते है यदि गलत लत में न पड जायें क्योंकि धुम्रपान के द्वारा युवा सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे है जो युवाषील भारत के लिये चिन्ताजनक बात है यह धुम्रपान कार्यक्रम में डॉ. आलोक पुरोहित ने कही। माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा नषा उन्मूलन पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. आलोक पुरोहित नोडल अधिकारी तम्बाकू नियंत्रण बोर्ड, अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. मनोज चतुर्वेदी माधव महाविद्यालय, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय ग्वालियर, डॉ. राजेष मिश्रा एवं मेडम संगीता उपस्थित

थी। डॉ. पुरोहित ने बताया कि एन.एस.एस. स्वयंसेवक जागरूकता के कार्यक्रम में काफी आगे रहते है और युवाओं में नषे की लत को छुड़ाने के लिये यह युवा एन.एस.एस. के काफी सक्रीय योगदान दे सकते है। धुम्रपान करना युवाओं का फैषन बन गया है जिसके दुष्परिणाम के बारे में उनको नहीं मालूम परन्तु ऐसे व्याख्यानो का आयोजन कर एक्सपर्ट द्वारा दुष्परिणाम बताने के बाद कुछ लोग धुम्रपान की लत से बाहर आ जाते है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेष मिश्रा व आभार डॉ. संजय कुमार पाण्डेय ने किया। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि एन.एस.एस. स्वयंसेवक आसपास के क्षेत्रों का चयन कर जो महाविद्यालय के 100 किलोमीटर में आते है वह तम्बाकु गुटका सिगरेट का विक्रय नहीं कर सकते हैं ऐसे षिक्षण संस्थाओं के दायरे में आने वाले दुकानों को चयनीत कर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय नोडल अधिकारी को अवगत करायेंगे और इन दुकानो पर इन चीजो की बिक्री रोक दी जायेगी। धुम्रपान का अंत केवल मृत्यु है जिससे बचने के लिये हमें इससे बचना चाहिए। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों में अंकुर चौरसिया, तरूण रोहिरा, अंकुष अरोरा, रवि धाकड़, विष्वजीत, वर्षा, नीषा, जसकिरत, हेमन्त मांझी, यष किरार, अनिरूद्ध शर्मा, पूर्वी बोरगांवकर, प्रियंका किरार, योगेष्वर माहौर, आदि लोग प्रस्तुत थे।

GPS BASED VEHICLE TRACKING SYSTEM & MANAGEMENT FROM W2TRACK SOLUTIONS
Please call us for demo/order: +91 9827270016/7738373527/7738373526
जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग और वाहन प्रबंधन प्रणाली - अपने परिवहन प्रणाली को अधिक उत्पादक, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाएं।
W2TRACK
✓GPS based Track, Monitor & Analyze your vehicles in real-time
✓Digital records of all your fleet operations at Central place
✓Optimise your Routes, Scheduling and Dispatch
✓Improve Driver Behaviour, remotely immobilize vehicle etc.
✓Improve productivity, efficiency & safety
✓Manage fleet expenses & reduce operational cost (ROI)
✓Power Your Fleets with Latest AIS 140 GPS Devices
Website & Mobile based Application/Software
MAKE IN INDIA
₹2999
Basic GPS Based Fleet Monitoring System with Advanced Reporting
RTO Approved INTEGRATED AIS 140 GPS Device (ARAI/ICAT Approved)
PUBLIC TRANSPORT VEHICLES
-SCHOOL BUSES
-TAXI/CABS
-TRANSIT BUSES
-INTERCITY BUSES
COMMERCIAL VEHICLES
SABA TECHNOSOFT
Deliver The Best, Performance Assured
₹5999
GSTIN: 27ACUFS2949C1ZO www.w2track.com (Locations PAN India GPS Service)

प्रो.- विपिन सिंह तोमर
(संचालक सौम्या प्रापर्टी डीलर)
मो.-9301759475
9713253992
मेल- vipintomar172@gmail.com
सौम्या प्रोपर्टी डीलर
आवासीय भूमी (प्लॉट, फ्लैट, मकान, बंगला, खरीदने, बेचने व किराये) पर लेने देने के लिये सम्पर्क करें
ग्वालियर शहर में प्रोपर्टी खरीदने व बेंचने के लिये सम्पर्क करें
पता- दुकान न. 3/4 तोमर मार्केट, गायत्री मंदिर वाली गली, पिंटो पार्क, ग्वा.

जिला स्तरीय वृहद रोजगार मेला 12 जनवरी को

ग्वालियर। जिला रोजगार कार्यालय (मॉडल कैरियर सेंटर) द्वारा 12 जनवरी को जिला स्तरीय वृहद रोजगार मेला लगाया जायेगा। इस दिन यह मेला यहाँ बिरला नगर स्थित महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रातः 11 बजे शुरू होगा। रोजगार मेले में लगभग दो दर्जन कंपनियाँ कैम्पस भर्ती करने आयेंगीं। रोजगार मेले के साथ जिला स्तरीय इण्डस्ट्रीज कंसलटेशन वर्कशॉप भी आयोजित होगी। इस वर्कशॉप के माध्यम से जिले के प्रतिष्ठानो को मेन पॉवर (मानव संसाधन) की पूर्ति कराने के प्रयास किए जायेंगे। उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय श्रीमती प्रियंका कुलश्रेष्ठ ने बताया कि केपीपी पार्टनर यशस्वी अकादमी फॉर टैलेंट मैनेजमेंट, शिवशक्ति बायो टेक्नोलॉजी इंदौर, सिगमा मैनेजमेंट सोल्यूशन गुडगाँव, ऑटो कॉम सिस्टम प्रा.लि. गुडगाँव, ग्रो फास्ट ऑरगेनिक डायमंड प्रा.लि. सागर, नव भारत फर्टिलाइजर लिमिटेड भोपाल, ग्वालियर टैंक्स एण्ड वीजल्स मालनपुर, सुप्रीम इंडस्ट्रीज मालनपुर, मोन्टेज इंडस्ट्रीज प्रा.लि. मालनपुर, डैक्कन टेक्नोसेक्रिटी एण्ड यूटिलिटी सर्विसेज प्रा.लि. इंदौर, ईगल सिक्यूरिटी सर्विस शिवपुरी, स्टार हैल्थ इंश्योरेंस ग्वालियर एवं एलआईसी ग्वालियर व बिरला सनलाईफ इंश्योरेंस कंपनी द्वारा रोजगार मेले में आने की सहमति दी जा चुकी है। इसके अलावा अन्य कंपनियों से भी सतत संपर्क जारी है।

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478